एक तुरही एक अनिश्चित आवाज को देती है

भाई देमोस, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। आज रात यहाँ इस मसीही सभा में होना एक बड़े सौभाग्य की बात है, यहाँ इस बर्फीले देश में। और मैंने कुछ समय पहले घर पर फोन किया था, और यह लगभग बीस डिग्री अधिक गर्म है, वहां उत्तर की ओर, यहां नीचे की तुलना में। मैं अवश्य ही इसे अपने साथ लेकर आया हूं। मैं जल्दी से निकलूंगा और तुरंत फिर से वापस आऊंगा। सारे पौधे ठंड से जम रहे हैं। आप इसके बारे में क्या सोचते हैं, क्रीची? यह एक... [भाई कहता है, "यह ठंडा है।"—सम्पा।] निश्चय ही ऐसा है।

2 और आज रात इस अच्छे पास्टर से मिलने के लिए बहुत खुश हूं, और आप लोगों को देखकर। मैं बस कुछ ही समय के लिए ही अंदर रहा हूं। मैं ट्यूसान से आया हूं, जहां मुझे आज जाना था। कल रात को वहां गाडी चला कर गया, और आज सुबह लगभग ढाई बजे उठा, वहां ट्यूसान में। और फिर सारा दिन वहीं पर था, वहां नीचे। और बस कुछ ही समय के लिए छोड़ा... तो ठीक है, मैं अंदर गया, बस लगभग डेढ़ घंटे अंदर था, मैं सोचता हूं, ऐसा ही कुछ, यहाँ पर। और इसलिए मैं बहुत अधिक सोया नहीं था। लेकिन मैं कोशिश करूंगा कि मैं यहां सोने ना जाऊं। लेकिन हम—हम यहां आकर खुश हैं।

3 यह छोटा लड़का, यहाँ इन माइक्रोफोन के साथ खेल रहा था। मैं वहां पीछे बैठा हुआ था, उस... छोटे बच्चों की सीट में से एक पर बैठा हुआ था। छोटा लड़का आया, मेरी ओर अजीब तरह से देखा। मैंने कहा, "हम सभी बच्चे एक साथ बैठ सकते हैं, क्या हम नहीं बैठ सकते?" अब, मैं यद्यपि निश्चित रूप से उन छोटे बच्चों से प्रेम करता हूं।

4 और यह, ओह, आज रात यहां होना वास्तव में अच्छा है, और लोगों के इस अच्छे श्रोतागण के आसपास खड़े होना। और मैं अब विश्वास करता हूं कि भाई विलियम्स ने आपको सब कुछ बता दिया है, और भाई रोज ने यहां आने वाले कन्वेंशन के बारे में बताया है। मैं समझता हूं कि आप इससे

भली–भांति परिचित हैं। रमादा में, तुरंत ही, बिजनेस मेन के कन्वेंशन में होने के लिए। और हम वहां एक महान समय की अपेक्षा कर रहे हैं। भाई वेलमर गार्डनर, एक अद्भुत, प्रभावशाली वक्ता; और अन्य सेवक, ओरल रॉबर्ट्स और बहुत से, वहां पर होंगे। और हम प्रभु में एक महान समय की अपेक्षा कर रहे हैं।

5 मैं आशा करता हूं, इनमें से किसी समय, आइए हम उस स्थान पर एक चंगाई की सभा को रखे। उह–हुंह। मैं भाई ओरल को लेना चाहता हूं, और हम एक साथ इकट्ठा होंगे। जी हां, श्रीमान। क्या यह ठीक नहीं रहेगा? यह इसके लिए एक—एक वास्तविक दौर आरंभ होगा, क्या ऐसा नहीं होगा? वहां रमादा में एक चंगाई सभा, यह अच्छा रहेगा। हम... इसलिए हम ऐसा कर सकते हैं, आप जानते हैं। हो सकता है प्रभु हमारे लिए इसे प्रदान करे, एक चंगाई की सभा हो। इसलिए हम... अब कलीसिया से कलीसिया में जा रहे हैं, ताकि अच्छी खबर को फैलाने की कोशिश करें, और एक दूसरे के साथ संगति करें, और सारी भिन्न–भिन्न कलीसियाओ में संगति करें। यही है जिसमें हम विश्वास करते हैं, कि हम मसीह में एक हैं।

6 मैं उस दिन एक डॉक्टर से बात कर रहा था। मैं विदेश जाने के लिए तैयारी कर रहा हूं, और आपको इसके लिए शारीरिक जांच करवानी होती है। इसलिए मैं एक जांच के लिए वहां गया था। और उसने मुझे उनमें से एक तरंग मशीन पर रखा... मैं... मुझसे नही पूछना कि यह क्या है। और उसने कुछ तो अजीब सा पाया। और वह वापस आया और इसे समझ नहीं सका, और उसने डॉक्टरों के एक परामर्श सभा को लिया, और वह बस इसे नहीं समझ सका। उसने कहा, "मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।" और सो उसने मुझे इसकी तस्वीर को दिखाया, किस तरह वह जहां साधारणत: चेतना होती है, और आपके पास एक अवचेतन है, और वे एक दूसरे से बहुत दूरी पर होते है। लेकिन उसने मुझमें इस बात को ध्यान से देखा वे दोनों ठीक एक साथ थे। कहा, "आप बहुत ही विचित्र व्यक्ति हो।"

मैंने कहा, "मैं हमेशा से इस बात को जानता था। हर कोई कहता है।"

7 कहा, "हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।" सो उसने मुझे इसके बारे में बताया।

8 मैंने कहा, "ठीक है," मैंने कहा, "आप जानते हैं, मुझे लगता है कि वो भला प्रभु, जब वह हमें बनाता है, तो वह हमें थोड़ा भिन्न बनाता है।

हम एक दूसरे की तरह नहीं दिखते हैं, और सो कभी–कभी हम एक दूसरे की तरह व्यवहार भी नहीं करते हैं। लेकिन—लेकिन वह इसे उसके लिए बनाता है... इसे बनाने का उसका अपना तरीका है। हम बस उस बड़ी सांचे में ढालने की मशीन में चले जाते हैं, और हम बस शांत हो जायेंगे, वह हमें उसी तरह से ढालेगा जिस तरह से वह चाहता है कि हम बने।"

9 और मैं—मैं जानता हूं कि कोई भी कुछ भी नहीं बनना चाहेगा सिवाय इसके जो आप हैं। केवल एक चीज जिसकी हम सभी इच्छा रख सकते हैं... हम बचाए जाते हैं और परमेश्वर की संतान बन जाते हैं उसके बाद, केवल एक चीज जो हम चाहते हैं, बस हर एक दिन थोड़ा और नजदीक से चले। यही है जिसकी हम लालसा रखते हैं, उस महान संगती के लिए। यह क्या ही अद्भुत है! क्या आप कभी यह सोचने के लिए रुकेंगे कि यदि हमारे पास यह नहीं होता तो हम क्या करते? क्या—क्या... यदि वह महान आशा हम में विश्राम नहीं करती है, तो हम क्या करेंगे?

10 मैं एक कलीसिया में कह रहा था, होने पाए मैं... पहले, एक स्थान में, फिर दूसरे में, और देश भर में मैं कभी–कभी एक टिप्पणी करता हूं, सोचता हूं कि मैं इसे उसी कलीसिया में दोहरा सकता हूं। लेकिन मैं उस इमारत से बाहर जा रहा था जहाँ मैं एक तरह से बहुत ही भारी बोझ लिए हुये था, इन लोगों के बारे में जो आज यहां नया नाच कर रहे हैं, जो उनके पास है, वे छटपटाना कहते हैं, या ऐसा ही कुछ और। और मैंने कहा, "मैं बस नहीं जानता कि संसार क्या है, लोग अपने पैरों को तोड़ना चाहते हैं और—और इस तरह से व्यवहार करना चाहते हैं।"

11 तो, वहां एक व्यक्ति था, जो लगभग छब्बीस, सत्ताईस वर्ष का था, मुझे पीछे मिला, कहा, "बस एक मिनट के लिए, श्रीमान ब्रंहम।"

मैंने कहा, "जी, श्रीमान? "

उसने कहा, "आप जानते हो, आप बस नहीं समझते है।"

मैंने कहा, "मैं आशा करता हूं कि मैं कभी नहीं समझूंगा।"

12 सो उसने कहा, "आप देखिए," उसने कहा, "मैं आपके मतलब को देख सकता हूं।" कहा, "आप पचास वर्ष के मनुष्य हो। लेकिन यदि आप मेरी उम्र के होते, तो यह अलग बात होती।"

13 मैंने कहा, "एक मिनट रुकना।" मैंने कहा, "मैं सुसमाचार प्रचार कर रहा था जब मैं तुमसे भी दस वर्ष छोटा था। मैं अब भी उसी सुसमाचार

पर विश्वास करता हूं। मैंने कुछ तो ऐसा पाया जो उसका स्थान लेता है, शैतान द्वारा कहीं भी बनाई जा सकने वाली सभी चीज़ों की तुलना में प्रभु की सेवा करने में अधिक आनंद है।" यह एक... यह एक संतुष्टि को देता है।

14 आप जानते हैं, दाऊद ने एक बार कहा, "जैसे हिरनी जल के झरने के लिए प्यासी होती है, मेरा प्राण तेरे लिए प्यासा है, हे परमेश्वर।"

15 और यदि आपने कभी उन छोटे से हिरण में से एक को देखा है, जब वो—वो घायल होता है, हो सकता है कुत्तों ने उसे पकड़ लिया हो, और उसके बगल में से एक बड़ा टुकड़ा झटक कर खींच लिया हो, या ऐसा ही कुछ तो। उसका लहू बह रहा है। और, वह, कुत्ता उसके पीछे–पीछे जा सकता है। वह एक मनुष्य के समान नहीं है। और वह उस हिरन का शिकार कर सकता है, चाहे उसका लहू बह रहा हो या नहीं। और इसलिए केवल एक ही तरीका है... यदि उस हिरन का लहू बह रहा है, तो केवल एक ही जरिया है कि वह कभी जीवित रह सकता है, उसे पहुंचना है जहां पर पानी है। और यदि वह कभी वहां पहुंच सकता है जहां पानी है, तो वह उस पानी को पी लेगा। इससे लहू बहना बंद कर हो जायेगा, और—और वह दूर जा सकता है। वह बहुत ही होशियार है।

16 लेकिन अब आप कल्पना कर सकते हैं, देखते हुए कि छोटे से हिरन में से जो घायल है और लहू बह रहा है, और किस तरह से उसका छोटा सिर ऊपर उठा हुआ है, और सारी चेतना जो उसके पास है यह पता लगाती है कि पानी कहां है, उसकी नाक से। बस, उसे अवश्य ही पानी को पाना है, या तो नष्ट होना है। और अब यह उसके लिए बस जीवन और मृत्यु है। वह, बस हर एक—हर एक—हर एक जरा सी गंध जो उसके पास है, वह कोशिश कर रहा है, तड़प रहा है। उसे अवश्य ही इसे पाना होगा।

17 अब, इसी तरह से हमें परमेश्वर के लिए प्यासा होना चाहिए। देखा? "जैसे हिरनी जल के झरने के लिए प्यासी होती है, मेरा प्राण तेरे लिए प्यासा है, हे परमेश्वर।" कहीं तो उसके साथ छिप जाऊं, यह मेरे हृदय की इच्छा है। और मैं भरोसा करता हूं कि आज रात यहां हर एक यही इच्छा है जो यहाँ पर है।

18 और अब, रात के बाद रात, और मैं इसे देखना पसंद करूंगा। वे चेहरे जो आप एक स्थान पर देखते हैं, आप उन्हें दूसरे स्थान पर देखते हैं। मैं—मैं यह पसंद करता हूं। आप अपनी संगती को दिखा रहे हैं, और व्यक्त

कर रहे हैं कि हम यहां किस लिए हैं।

19 और, ओह, मैं निश्चय ही फीनिक्स में एक पुराने चलन की बेदारी को देखना पसंद करता हूं। ओह, प्रभु! वो *फीनिक्स* शब्द इसने मुझे उत्तेजित कर दिया, जब से मैंने इसे पहली बार पढ़ा है: फीनिक्स, एरीजोना। मेरा, छोटा लड़का, मैंने सोचा, "काश मैं कभी उस स्थान पर पहुंच पाता! क्या मैं कभी वहां फीनिक्स के लिए जा सकता हूं!" और अब इसे देख रहा हूं, और जब हम यहां पर हो गये हैं तो हम पाते हैं कि बाकी के सारे स्थानों की तरह यह पाप की गहराई में डुबा हुआ है, पर्यटक जो यहाँ आते है; और शराब पीते है, बहुत अधिक मद्यपान करते है, अनैतिकता, हर चीज मौजूद है।

20 लेकिन, फिर भी, इन सब के बीच में, आप कुछ सच्चे रत्नों को पाते हैं, जिन्हें परमेश्वर ने यहां इस रेगिस्तान से हिलाकर आगे लाया, यही है जो परमेश्वर के महिमामय लोगों के मुकुट में चमक रहा है। और यही है जिसके लिए मैं आज रात यहां पर हूं, अपने आप को आप भाइयों और आप बहनों के साथ रखने के लिए, ताकि प्रभु यीशु के प्रकाश को दूसरों पर चमकाने का यत्न करे, ताकि वे भी इस बड़े हलचल में पाए जा सके। और उनमें से बहुत से अभी भी बाहर है। मैं इससे संतुष्ट हूं। अभी और भी अंदर आना बाकी है, और हमें अवश्य ही उन्हें वहां लाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, और एक जीवन को जीना चाहिए जो मसीह को प्रतिबिंबित करे।

21 अब, इससे पहले कि हम वचन का एक छोटा सा पाठ पढ़ें... मुझे बहुत देर हो गई थी मैंने कुछ नोट्स को लिख लिया, लगभग पांच मिनट के समय में। और संघीय आयकर विभाग ने मुझे अभी कुछ टेक्स अदा करने के लिए भेजा है, मुझे तुरंत ही पहुंचकर, और इसे डाक घर की मोहर देना होगा, मैं सोचता हूं, हो सकता है आज ही, अभी। और इसलिए मुझे डाकघर में जाना था। और जब मैं वहां गया, बिली ने कहा, "अच्छा होगा आप जल्दी करे।" और इसलिए यहाँ...

22 मैं बस यहां से वहां, और यहां से वहां, यहां से वहां, उन लोगों के साथ घूम रहा था। ओह, ओह, प्रभु! वे न्यायालय के द्वार पर न्याय के बारे में बात करते हैं। मैं सोचता हूं कि यह कहाँ पर है। जी हां। मैंने ऐसा कभी नहीं देखा। और वे चाहते थे कि मैं पिछले पचास वर्षों से मुझे दिए गए हर चेक पर आयकर का भुगतान करूं, बाहर की सभाओ के कर्जो को चुकाऊं, इस

पर कसूर के साथ, देखो, तीन सौ पचपन हजार डॉलर भरने के लिए।

23 मैंने कहा, "बस मुझे गोली मार दो।" मैं इसे भला कभी कैसे भरूंगा? मैंने कहा, "मेरे पास मुश्किल से पचपन सेंट से अधिक नहीं है।" मैंने कहा, "मैं इसे भला कैसे भर सकता हूं? " और उन्होंने बिना विश्राम दिये पांच वर्षों तक बहुत मुझसे कठिन परिश्रम करवाया है।

24 तो, लोग जो इसमें पैसे डालते हैं। जैसे, हमारे कुछ अभियान होते है, और—और लोग, वे बस जानते हैं कि मेरा नाम विलियम ब्रंहम है, वे बस खर्चों के लिए एक चेक बना देते हैं। इसका लेना देना सेवक लोग देखते हैं। मैंने अपने जीवन में कभी भी प्रेम भेंट को नहीं लिया। और सो उन्हें... मुझे मेरी कलीसिया से एक—एक वेतन मिलता है, एक सप्ताह में सौ डॉलर।

25 और यह प्रेम भेंट... लेकिन हर एक जन, देखो, कि वे इसे डालते हैं... और अगली सुबह, वो—वो—वो—वो एक जो आर्थिक प्रबन्ध समिति का प्रमुख था, वो वहां पर आकर और कहता है, "भाई ब्रंहम, आपको इन चेकों पर हस्ताक्षर करने होंगे।" और, क्यों, मैं बस उन पर हस्ताक्षर करता हूं। वह उन्हें बैंक में डाल देता है। और फिर उन्होंने इस सब में से होते हुए जांच की, और इसका एक प्रतिशत भी मेरे लिए कभी भी खर्च नहीं किया गया था। लेकिन जब मैंने उस चेक पर हस्ताक्षर किए, तो उन्होंने कहा कि यह मेरा था। लोग इसे मुझे देते हैं, फिर मैं इसे कलीसिया को देता हूं। ओह, प्रभु!

26 मुझे पहले तो बहुत बुरा लगा, तब मुझे पता चला कि बाईबल में हर एक मनुष्य, मैं विश्वास करता हूं, जिसने कभी परमेश्वर के लिए एक आत्मिक पद को धारण किया था, जो केंद्रीय शासन से संबंधित सरकारों के साथ जुड़ा हुआ था। वापस इसे जांचें और इसका पता लगाएं। यह सही है। मूसा, दानिय्यल, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला। यीशु मसीह केंद्रीय शासन से संबंधित सरकार के हाथों मृत्युदंड के नीचे मरा। पतरस, याकूब, यूहन्ना, यूहन्ना प्रकट करने वाला, सब, हर एक... सभी ने सतावट को उठाया।

27 क्यों? यह शैतान का आसन है। क्या आप यह जानते हैं? क्या आप जानते हैं, शैतान ने यीशु को ऊपर लेकर गया और उसे सारे राज्य दिखाये, उस संसार को, कुछ ही समय में? और उसने कहा, "वे मेरे हैं। मैं उनके साथ जो भी करना चाहता हूं करता हूं। देखा? और मैं उन्हें तुझे दे दूंगा यदि तू नीचे गिर कर मेरी आराधना करे।" तो आप देखते हैं कि वे किससे

संबंधित हैं? हम हमारे अपने बारे में ऐसा सोचने से भी घृणा करते हैं, लेकिन ऐसा है।

28 सो उसने कहा, यीशु ने कहा, "शैतान, यहां से तू निकल जा।" वह जानता था कि सहस्त्रशताब्दी में वह उनका वारिस होगा। वह जानता था कि वे उसके होंगे जब... जब, यदि ये देश परमेश्वर के द्वारा राज्य किये जाते थे, तो सहस्त्रशताब्दी आरंभ हो गयी होती। लेकिन वहां एक समय होगा।

29 उनके पास संयुक्त राष्ट्र और राष्ट्र संघ, और हर एक चीज है, ताकि शांति लाने का यत्न करे। लेकिन जब तक शैतान इस सब के ऊपर है, और राजनीति, क्या होने जा रहा है? वे बस निश्चित रूप से संसार के समान लड़ेंगे।

30 लेकिन एक समय आएगा जब सारे हथियार ढेर किये जायेंगे। और ठक–ठक की आवाज होगी, और सुबह अनंत, उज्ज्वल और साफ हो जाएगी। हमारा राजा अपने सिंहासन को लेगा। ओह! वहां गीत का गाना होगा; वहां चिल्लाना होगा। और वहां पर एक झंडा होगा, एक लोग, एक राष्ट्र, एक भाषा बोलते हुए, स्वर्गीय भाषा। आमीन। मैं उस समय के लिए तरस रहा हूं। और मैं उस निशाने की ओर बढ़ रहा हूं, परमेश्वर पर भरोसा रखते हुए, किसी दिन जब यह समाप्त हो जाएगा, मैं कह सकता हूं... मैं उसे मुझसे कहते हुए सुन सकता हूं, "यहाँ ऊपर आ।"

31 मैं यहां आज रात फीनिक्स में प्रभु के नाम में हूं। मैं समझाने की कोशिश नहीं करूंगा—करूंगा कि क्या घटित हुआ। आप बहुत से लोग जो टेप को लेते हैं, निश्चित रूप से उस एक टेप को लेना, *श्रीमान, यह कौन सा समय है?* यह मेरे घर छोड़ने से ठीक पहले हुआ था। एक दर्शन ने मुझे यहां भेजा; जो है, मैं नहीं जानता कि क्या... मैं नहीं... मैं एक टेप को बेचने वाला नहीं हूं, और मैं उन चीजों पर जोर नहीं देता। हम उन्हें लेते हैं, और हमारे पास दुनिया भर में एक टेप की व्यवसाय है। दूर जंगलों में और हर जगह, उनके पास छोटा सा कुछ तो है जो वे कानों में डालते हैं, जो उनके पास होता है, और इसे टेप में टेप कर सकता है, और वहां खड़े होकर और ठीक उसकी भाषा में अनुवाद कर सकता है। और यह सारे संसार में चला जाता है।

32 और, परंतु एक टेप जो मेरे पास था, *श्रीमान, यह कौन सा समय है?* या, *क्या यह वो समय है, श्रीमान?* कुछ... मैं... शनिवार की रात, तीन

सप्ताह पहले, कलीसिया में। अपने सारे जीवन में दर्शनों को देखने के बाद, मेरे जीवन में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। और मैं नहीं जानता कि यह क्या है। मैं अब यहां पर हूं, लेकिन उसने मुझे यहां भेजा है। मैं नहीं जानता कि इसका क्या अर्थ है। मैं बस... मैं बस यहाँ पर हूँ।

33 और मुझे अवश्य ही सच्चा और ईमानदार होना है, और यही एकमात्र तरीका है जिससे हम कभी भी परमेश्वर के साथ कहीं भी पहुंच सकते हैं, वह है हमें ईमानदार होना होगा। क्योंकि, मनुष्य जान जायेंगे। परमेश्वर जानता है, आदि में, आप नहीं है, या तो आप है या नहीं है। और मनुष्य जान जायेंगे। क्योंकि, एक समय, एक मनुष्य भविष्यवाणी करने का यत्न कर रहा था। और परमेश्वर ने बताया... या, सच्चे भविष्यवक्ता ने उसे बताया, कहा, "आओ याद रखें। हमारे पहले भविष्यवक्ता रहे हैं। भविष्यवक्ता को केवल तभी जाना जाता है जब उसकी भविष्यवाणी पूरी होती है।" इसलिए बेहतर होगा कि हम निश्चित हो जाए कि हम जाने कि परमेश्वर ने ऐसा कहा है, इससे पहले कि हम इसके बारे में कुछ भी कहें। सच्चे और ईमानदार बने।

34 अब आइए हम अपने सिरों को प्रार्थना के लिए कुछ समय के लिए झुकाएं। अब आइए हम हर एक चिंता को एक तरफ रख दें, अगले कुछ मिनटों के लिए। मैं सोचता हूं... आज रात यहां लोगों के इस छोटे से प्यारे झुण्ड में, मैं जानता हूं कि यहां वे रत्न बैठे हुए हैं जिन्हें यीशु किसी दिन लेने के लिए आएगा, जो मिट्टी में से जाग उठेगा।

35 और हो सकता है यहां कुछ लोग हो सकते हैं जो इतने निश्चित नहीं है कि वे वहां होंगे या नहीं। हो सकता है आपको अन्य चीजों की आवश्यकता हो। यदि आज रात आपके जीवन में कोई आवश्यकता है, तो इसे परमेश्वर को ज्ञात होने दो, जैसे आप बस अपने हाथ को ऊपर उठाते हैं, बस कहते हुए, "परमेश्वर, आप जानते हैं कि अब मेरा क्या अर्थ है। और मुझे आशीष दीजिये। मैं—मैं बीमार हूं। मुझे चंगाई की आवश्यकता है। मैं—मैं भटका हुआ हूं। मुझे एक संगति में वापस आने की आवश्यकता है। मैं—मैं वापस आना चाहता हूं। मैंने—मैंने गलती की है। मैं वापस आ रहा हूं। मैं चाहता हूं कि आप आज रात मेरी सहायता करें कि वापस आ जाऊं।" परमेश्वर आपको आशीष दे।

36 स्वर्गीय पिता, अब जब हम लहू के मार्ग से आपके सिंहासन के निकट

पहुंच रहे हैं, क्योंकि, और हारून उस—उस दया के आसन के सामने गया, उसने पहले, उसके हाथ में लहू को लिया, और वह आगे बढ़ा, और हम, आज रात विश्वास के द्वारा, प्रभु यीशु के लहू को लेते हैं, और परमेश्वर के सिंहासन की ओर चलते हैं, निडरता से, यह जानते हुए कि हमारे पास आने का अधिकार है, ना ही हमारी खुद की धार्मिकता में, लेकिन उसकी धार्मिकता में। लहू हमारे शुद्धिकरण का प्रतिनिधित्व करता है। और मैं प्रार्थना करता हूं, स्वर्गीय पिता, कि आप हमारी विनंती को स्वीकार करेंगे।

37 पहले, हम आपसे मांगेंगे कि हम पर दया करें, हमें हमारे सारे अपराधों के लिए क्षमा करें, जैसा कि हम अपनी गलतियों को अंगीकार करते हैं, और हमारी छोटी–छोटी गलतियों को, और हमारे गुप्त पापों को, और हमारे अज्ञात पापों को अंगीकार करते हैं। और हम सेवकों के नाई भी अंगीकार करते हैं, याजक होने के नाते, लोगों के पापों को। एक साथ, प्रभु, हम खड़े हैं। हम लोगों से प्रेम करते हैं। हम मूसा की तरह महसूस करते हैं जब उसने परमेश्वर के क्रोध से खुद को लोगों की रक्षा के लिए दरार में डाल दिया। यह क्या ही एक प्रदर्शन था, मसीह की धार्मिकता का, जब मसीह ने खुद को दरार में डाल दिया, लोगों को बचाने के लिए!

38 और, पिता, हम उसके सेवकों के रूप में, उसकी आत्मा के साथ जो हम में है, हर एक मसीही आज रात यहाँ पर है, अपने आप को पापी के सामने संयम से थामे: "परमेश्वर, उन पर दया करे।" हम बीमारों और जरूरतमंदों के लिए विनंती करते हैं, उन बहुमूल्य हाथों के लिए, उनमें से कुछ बूढ़े है, और कुछ युवा है, और कुछ मध्य उम्र के है, अपने हाथों को उठाये हुए है। आप इसके बारे में सब जानते हैं, प्रभु। हम प्रार्थना करते हैं कि आप अपनी महिमा के बहुतायत के अनुसार उत्तर देंगे।

39 होने पाए आज रात बहुत से लोग, प्रभु, यहां से जाएं, जब अंदर आये, वे बीमार हैं, होने पाए वे यहाँ से जाएं, तो ठीक होकर, चंगे होकर जाए। बस कुछ तो बात जगह ले, वे यहाँ तक इसको समझा भी नहीं सकते, लेकिन वे जानते हैं कि वे ठीक हैं।

40 होने पाए वे जो भटके हुए हैं वे धर्मी होकर यहाँ से जाएं, प्रभु, यह जानते हुए कि वे वापस आये हैं और मसीह को पुन: ले लिया है जहां पर उन्होंने उसे छोड़ा था। होने पाए वे जाकर, वापसी करे। प्रदान करें, प्रभु,

कि वे जो कभी नहीं आए हैं, वे स्वतंत्र होने की उस बहुमूल्य स्वतंत्रता को पाये, पिंजरे से बाहर निकाले जाये, अब और संसार की चीजों से और इस जीवन की चिंताओं से बंधे हुए ना हो, लेकिन मसीह में स्वतंत्र किया गया हो। इसे प्रदान करे, पिता।

41 अब हमें जिस चीज की आवश्यकता है, उसे आशीषित करें, और आपके वचन और आपके दास को आशीषित करें, और हम आपकी स्तुति करेंगे। यीशु के नाम में हम इसे मांगते हैं। आमीन।

42 अब, यदि हमें वचन का एक मूल पाठ पढ़ना चाहिए, या मेरा मतलब एक मूल पाठ के लिए एक वचन को, पहला कुरिन्थियों का 14वां अध्याय, 8वां पद, इस तरह से बताता है, पहला कुरिन्थियों 14:8 में।

> *क्योंकि यदि तुरही का शब्द अस्पष्ट है, तो कौन अपने आप को युद्ध के लिए तैयार करेगा?*

43 यह पर्याप्त विषय होगा कि हम इस पर अब से दो सप्ताह आगे तक प्रचार कर सकते हैं, और फिर भी इसके किनारों को कभी नहीं छू पाएंगे। वचन के विषय में कुछ तो ऐसा है जो प्रेरणा से है। आप निरंतर उस एक विषय पर बने रहते हैं। आप पूरी बाईबल को इसके साथ जोड़ सकते हैं। यह सही है।

44 एक दिन एक व्यक्ति ने मुझसे पूछा, कहा, "आप उसी विषय को कैसे ले सकते हैं? "

मैंने कहा, "ओह, प्रभु! आप इसमें से किसी भी चीज के संदर्भ को लेते हैं।"

45 मैंने जमीन पर पड़ी तीन पत्ती वाली तिपतिया घास को उठाया, और उसे पकड़ लिया। वो व्यक्ति आज रात यहां ट्यूसान से बैठा हुआ है। और हम पासाडेना, कैलिफोर्निया में थे। और मैंने कहा, "मैं इस तीन पत्ती के तिपतिया घास को ले सकता हूं और इस पर आगे पच्चीस वर्ष प्रचार कर सकता हूं: यह कैसा जीवन है, यही इसमें है; कैसे, तीन पत्तियां, एक में त्रिएकता का होना। और, ओह, ओह, वहां बहुत सी चीजें हैं जो हम इसके बारे में कह सकते हैं।"

46 और वचन के विषय में क्या है? यह तो परमेश्वर का वचन है। यह अनंत है। यह—यह था... इसका कोई अंत नहीं है। यह बस चलता रहता है, आगे, आगे, आगे। यह हमारे लिए एक सहारा या आश्रय है।

47 और अब आज रात मैं इस पर बोलना चाहता हूं: *एक तुरही एक अनिश्चित आवाज को देती है।*

48 इस पर बस कुछ क्षण पहले सोचते हुए, जब मैं सोच रहा था... उस इनकम टैक्स के मामले पर, मैंने सोचा, "आज शायद ही कुछ हो जो निश्चित हो। हर एक चीज में इस तरह की अनिश्चितता होती है।" और कोई भी चीज जो अनिश्चित है उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। कोई भी चीज जो अनिश्चित है उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। आप इससे दूर रहें यदि यह निश्चित नहीं है।

49 यदि आपका कोई व्यवसाय है; और, जो, हमारे पास बिसनेसमेन उपस्थित थे, हो सकता है उनमें से बहुत से हो। यदि आप एक ऐसा व्यवसाय चला रहे हैं जो निश्चित नहीं है, तो आप इसमें बहुत अधिक नहीं डालेंगे, क्योंकि उसका—उसका लाभ अनिश्चित है, और आप इसमें बहुत अधिक निवेश नहीं करेंगे। या, यदि आप एक अच्छे, चतुर व्यापारी हैं, तो आप प्रतीक्षा करेंगे और देखेंगे, यदि आपके पास निवेश करने के लिए कुछ पैसा है, जब तक आप कुछ ऐसा नहीं देख लेते जो निश्चित हो, कुछ ऐसा जो विश्वसनीय हो, कुछ ऐसा जिस पर आप निर्भर कर सकते हैं। क्योंकि, आप उस थोड़े से पैसे को खोना नहीं चाहते हैं, जिसे आपने बचा कर रखा है, क्योंकि इस पैसो के साथ आपको अपना जीवन व्यतीत करना है, मेहनताना में से—से लाभ होता है यही है जो इस निवेश पर डाला गया है। क्यों, आपको जीने के लिए—के लिए कुछ तो लेना होगा।

50 और यह कुछ पैसा जो आपने बचा कर रखा है, इसे अपनी जेब में मत रखकर और इसे वहां ना छोड़ दे, क्योंकि चोर इसे चुरा लेंगे। देखा? ऐसा ना करे, ऐसा ना करे। यदि आपके पास पैसा है, तो इसे किसी चीज में निवेश करें। और फिर आप अपने निवेश की निश्चितता के बारे में सुनिश्चित होना चाहेंगे। यदि आप नहीं करते हैं, तो क्यों, इसे बिल्कुल भी निवेश न करें।

51 इसलिए, आज रात व्यापार में निश्चित रूप से हिलावट हो रही है। कोई भी व्यवसाय, व्यावहारिक रूप से, संसार में, हिलावट की स्थिति में है, क्योंकि संसार हिलावट की स्थिति में है। आप बस अपने आप को अनुमति नहीं दे सकते...

52 "अब, मैं *इतने–इतने* पैसे बचाने जा रहा हूं, ताकि अपने लिए एक

अच्छा, छोटा सा घर कहीं तो बना लूं।" यह, यह बहुत ही अस्थिर है, मैं आपको बताऊंगा कि ऐसा है, क्योंकि सरकार इसे रातों–रात ले सकती है।

53 ओह, जिन चीजों ने हमारे लोकतंत्र को इतना भ्रष्ट कर दिया है, इतना तक कि यह वास्तव में अस्थिर हो गया है! हम अपने लोकतंत्र में बहुत अधिक भरोसा कर सकते थे। और, जो, मैं सोचता हूं कि यह सरकार का सबसे अच्छा गठन है। लेकिन, फिर भी, हमारा लोकतंत्र अस्थिर है। क्योंकि, हम, यह राष्ट्र, हमारे लोग, हमारे पास एक संविधान है, और यह संविधान हमारा अंतिम है—है। लेकिन, फिर भी, इसमें, हमारा संविधान अस्थिर है, क्योंकि इसे पहले ही बहुत बार तोड़ा जा चुका है। भूतपूर्व श्रीमान रूजवेल्ट ने इसमें से तहस–नहस कर दिया। तो, देखो, आप देखते हैं कि इसे तोड़ा जा सकता है। इसमें इतना भरोसेमंद नहीं है कि आप इसमें भरोसा कर सके।

54 राजनीति, ओह, प्रभु, कितना अस्थिर है! लोग बस राजनीति के बारे में वाद–विवाद करते हैं, और वाद–विवाद करते हैं, और वाद–विवाद करते हैं। और इसके विषय में बात करके पड़ोसी झगडा कर लेंगे, और वे लोग जो कभी अच्छे मित्र थे। कोई राष्ट्रपति उठ खड़ा होगा, या कोई तो न्यायाधीश के पास दौड़ कर जायेगा, या ऐसे ही किसी के पास, और दूसरा व्यक्ति राजनीतिक बचाव के दूसरी ओर होगा, और वे एक दूसरे के साथ विवाद करने लगेंगे इतना तक कि वे इस राजनीति के विषय में झगड़े पर आ जाते है। और मैं नहीं... आशा करता हूं कि मैं किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाऊंगा, लेकिन मैं सोचता हूं कि सारी चीज सड़ चुकी है। देखा? जी हां, श्रीमान। तो आप क्यों वाद–विवाद करें और किसी चीज के बारे में क्यों झगडा करे जो किसी भी तरह से ठीक नहीं है? यह सही बात है। यह बस बहुत ही बुरा है।

55 उस दिन किसी ने मुझसे कहा, उसने कहा, "क्या—क्या आप इस चुनाव में वोट देने जा रहे हैं? "

मैंने कहा, "मैंने वोट दे दिया है।"

कहा, "ओह, इस चुनाव में? "

56 मैंने कहा, "मैंने यीशु के लिए वोट दिया है।" मैंने कहा, "मैं आपको बताऊंगा। वहां दो लोग मुझे वोट दे रहे थे।" मैंने कहा, "परमेश्वर ने मुझे

वोट दिया, और शैतान ने मेरे विरोध में वोट किया। और मैंने परमेश्वर के लिए वोट दिया, सो मैंने अपना सही वोट पाया।" निर्भर करता है कि आप अपना वोट कहां डालते हैं, आप कैसे बाहर आयेंगे।

57 इसलिए, ध्यान दें, अभी हाल ही में, आपको एक छोटा सा स्थान दिखाने के लिए, और फिर हम इसे छोड़ देंगे। इस अंतिम राष्ट्रपति के चुनाव में, जब यह शिकागो और विभिन्न स्थानों में पूरी तरह से साबित हुआ था, कि जिन मशीनों के द्वारा उन्हें वोट किया जाना था, कि, उन मशीनों को डेमोक्रेटिक पार्टी के द्वारा तैयार किया गया था, कि हर बार जब आप श्रीमान निक्सन के लिए वोट देते हैं, तो आप उसी समय श्रीमान केनेडी पर वोट करना होता था। इसलिए, आपके पास मौका नहीं है। और इसे साबित किया!

58 और आपने किसी रात को *मॉनिटर* को सुना, जब उन्होंने सारे देश में एक—एक सर्वेक्षण किया, मिसिसिपी से लेकर, पूर्व में। श्री निक्सन ने इस चार से एक आह्वान वोट लिया था। तो भला एक मनुष्य कैसे जीत सकता है? यदि यह श्रीमान केनेडी होते, तो यह उसी तरह से होता। मेरी कोई पार्टी नहीं है।

59 मेरी पार्टी स्वर्ग में है, और मैं ठीक आज रात यहां उनके साथ हूं। हम स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं, अपने राजा के लिए बात कर रहे हैं।

60 लेकिन, आप देखिए, मैं आपको बताने की कोशिश कर रहा हूं, ये धरती की चीजें हिल रही हैं। वहां कोई... उन पर कोई भरोसा नहीं कर सकता। वे अनिश्चित हैं। और कोई भी चीज जो अनिश्चित है, मैं बस इससे दूर ही रहना पसंद करूंगा। मैं उस नकारात्मक चीज को पसंद नहीं करता। मैं नकारात्मक पक्ष में घुलना–मिलना पसंद नहीं करता। मैं इसे सकारात्मक पसंद करता हूं, सकारात्मक पक्ष पर होना।

61 अब, घरेलू जीवन अनिश्चित बन चूका है। आप जानते हैं, मैंने उस दिन एक लेख को देखा, कहीं एक पत्रिका में, कि अमेरिकी तलाक की दर दुनिया के किसी भी राष्ट्र की तुलना में अधिक है। और हमें एक धार्मिक राष्ट्र होना चाहिए। जी हाँ, ऐसा हो सकता, धार्मिक, ठीक है, लेकिन यह सही प्रकार का नहीं है। देखा? धर्म तो केवल एक पर्दा डालना है। यह बताना कठिन है कि हम हमारा पर्दा किस चीज से बनाते हैं। आदम ने अंजीर के पत्तों से कुछ बनाने की कोशिश की, और इससे काम नहीं बना। यह बहुत

ही डगमगाने लगा जब उसे परमेश्वर से भेंट करने के लिए बाहर आना था। इसलिए धर्म इन सब को संतुष्ट नहीं करता। लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि हमारी तलाक की दर, बाकी के सारे देशों की तुलना में—से अधिक है, हमारी तलाक की दर? हम अपने घरों में अनैतिकता को आगे बढ़ते हुए देखते हैं।

62 यह जानकर आश्चर्य हुआ, कि राष्ट्र के सर्वेक्षण पर एक बड़ा प्रतिशत आया था, और... मेरा विश्वास है कि यह ओहियो में था, कि मसीहत का एक सर्वेक्षण किया गया था, और यह खतरे का संकेत था कि कितने प्रतिशत लोग जो यहाँ तक कलीसिया भी नहीं जाते थे। और फिर, उनमें से लगभग अस्सी प्रतिशत जो कलीसिया जाते है, वे नहीं जानते थे कि वे क्यों गए। वे नहीं जानते कि वे क्यों जाते हैं। वे बस कलीसिया जाते हैं।

"आप क्यों जाते हो? "

63 "ऐसा है, कि माँ हमें लेकर गयी जब हम छोटे बच्चे थे, और हमने बस जाना जारी रखा है।" और—और फिर, अब, इसका बाकी के दुसरे और प्रतिशत, उन्होंने कहा कि वे बस इसलिए गए, ओह, अपने पड़ोसियों से मिले–जुले और थोड़ी देर बात करे। देखा?

64 क्यों, यह खतरे का संकेत है! कोई आश्चर्य नहीं कि घर का जीवन ख़त्म हो गया है, देखो, कोई भी घरेलू जीवन जो स्थिर नहीं है।

65 कोई भी महिला जो एक पुरुष से विवाह करने जा रही है, और वह उस पुरुष के बारे में निश्चित नहीं है, तो अच्छा होगा कि वह उससे विवाह ना करे। और कोई भी पुरुष जो एक महिला से विवाह करने जा रहा है, और निश्चित नहीं है, तो बेहतर होगा कि आप उससे विवाह ना करे। अच्छा होगा कि आप इस पर प्रार्थना करें, जब तक परमेश्वर आपको उत्तर ना दे दे। और उसके बाद जिसे परमेश्वर एक साथ जोड़ता है उसे कोई मनुष्य अलग ना करे। लेकिन हम—हम, पहले, हमें अवश्य ही उस बात पर प्रार्थना करना चाहिए। जी हां।

66 अब, हम देखते हैं कि हमने एक शैक्षिक कार्यक्रम के द्वारा संसार को परिवर्तन करने की कोशिश की है, और हमने वास्तव में इसमें से गड़बड़ को उत्पन्न किया है, निश्चय ही बहुत अधिक। आप शिक्षा के द्वारा संसार को मसीह में परिवर्तन नहीं कर सकते। जितना ये उसे परमेश्वर की ओर खींचती है, उससे कहीं अधिक शिक्षा उसे परमेश्वर से दूर ले जाती है

क्योंकि वो सोचने का यत्न करता है कि वह अधिक बुद्धिमान है और किसी और से अधिक जानता है। शिक्षा जितनी अच्छी है, मसीह ने कभी भी अपनी कलीसिया को आज्ञा नहीं दी कि संसार को शिक्षित करे। उसने उन्हें कभी भी शिक्षित नहीं किया, कि धर्म विद्यालय को बनाये। उसने कभी भी शिक्षा–... ओह, वे अच्छे हैं। उसने उन्हें कभी नहीं कहा कि जाकर और अस्पतालों का निर्माण करो। यह अच्छी बात है।

67 लेकिन कलीसिया का काम सुसमाचार को प्रचार करना है। "तुम सारे संसार में जाओ, हर एक सृष्टी को सुसमाचार प्रचार करो।" देखा? लेकिन इससे भिन्न कोई भी चीज, अस्थिर हो जाती है, क्योंकि यह परमेश्वर की योजना से बाहर है।

68 राष्ट्रीय जीवन अनिश्चित है। तो, संसार अनिश्चित है। हम बस एक ऐसे स्थान में रह रहे हैं, जहां सारे संसार के पास एक घबराहट की उदासीनता है, ऐसा दिखाई दे रहा है, सब हिल रहा है। हर एक राष्ट्र, हर कोई, एक दूसरे से डरता है। वे शांति की बात करते हैं।

69 उन्होंने, एक बार, उन्होंने कहा, "ओह, जब हम पहला विश्व युद्ध लड़ते हैं, कि हमारे सारे जवानों को अवश्य ही वहां पर जाना चाहिए, और इससे युद्ध सुलझ जाएंगे।" क्यों, जब तक वे दूसरे पर नहीं थे तब तक उन्होंने तोप के धुएं को हवा में बाहर नहीं छोड़ा।

70 तब उनके पास राष्ट्र संघ था, और वह दुनिया पर नियंत्रण करने वाला था, और यह विफल हो गया। अब उन्हें संयुक्त राष्ट्र मिल गया है, और यह बिल्कुल वैसी ही बात है। यह विफल हो गया है। इसमें कुछ भी नहीं है।

71 हर एक चीज अस्थिर है; राष्ट्रीय जीवन, राजनीतिक जीवन, वोटिंग मशीन। ओह, प्रभु! वे बस... सारी चीज हिल गयी है, हर एक चीज।

72 अब मैं इसे सही जगह के थोड़ा समीप लाना चाहता हूं। देखा? कलीसिया का जीवन हिल गया है और अनिश्चित है। अब, यही है जिसके विषय में पौलुस बोल रहा था। देखा? यही है जहां उसका अर्थ था, "यदि एक तुरही एक अस्पष्ट आवाज को देती है।" कलीसिया का जीवन हिल गया है। लोग शायद जानते भी नहीं कि क्या करना है। वे जाते हैं, कलीसिया से कलीसिया में भटकते है, यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि किसके पास सही चीज है; एक बुनियाद से दूसरे खंभे तक, यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि क्या सही है, सही सिद्धांत कहां है। और कोई एक

वहां आएगा, और वे इसे समझा सकते हैं, बस लगभग उनके मत–सिद्धांत के मुख्य बात तक, यह सही है। और फिर, पहली बात जो आप जानते हैं, वे उसमें बहुत अधिक भ्रष्टता को पाते हैं, इतना तक वे दूसरी कलीसिया में जाने की कोशिश करते है, यह देखने के लिए कि उनका मत–सिद्धांत क्या है, सिद्धांत। ओह, यह सब, हम पाते हैं कि हमने तब तो अपने आप को तोड़ दिया है, इन चीजों के द्वारा, कलीसिया की सैकड़ों भिन्न–भिन्न व्यवस्थाओं या नियमों से। अब, इसके विरोध में कुछ भी नहीं है। यह बस इतना है कि तब वे दूसरी चीजों को कर सकते हैं, जो वे करते हैं, और इसमें से कहीं, कुछ तो अच्छी चीज बाहर आना है।

73 लेकिन, आप देखते हैं, आप यह कहने में अपने भरोसा को नहीं रख सकते हैं, "मैं मेथोडिस्ट कलीसियाओ के संगठन का सदस्य हूं, और मैं—मैं बिल्कुल सही हूं क्योंकि मैं इससे संबंध रखता हूं।" "मैं—मैं—मैं बैपटिस्ट संगठन का सदस्य हूं, और मैं बिल्कुल सही हूं।" आप ऐसा नहीं कर सकते।

74 आप यहाँ तक यह भी नहीं कर सकते हैं जब आप कहते हैं कि आप "कलीसियाओ के पेंटीकोस्टल संस्था से संबंध रखते हैं।" आप ऐसा नहीं कर सकते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसा नहीं है। हम पाते हैं कि जब हमारी पहली पेंटीकोस्टल संस्था, जनरल काउंसिल, व्यवस्थित की गई थी, यह बहुत लंबे समय तक नहीं चली थी इतना तक कि वे *वहां* से अलग होने लगे, और *यहाँ* से अलग होने लगे, और मुद्दे, और मत–सिद्धांत। और अब बस इसकी ओर देखे, हर कहीं। देखा? यह दिखाता है कि यह अनिश्चित है। वे लोग जो केवल संगठन में भरोसा करते हैं, तो यह—यह अनिश्चित है।

75 अब, आप कहेंगे, "भाई ब्रंहम, आप हमें यहां एक बड़े किनारे पर ले जा रहे हैं। आप एक भयानक अंधकार की तस्वीर को चित्रित कर रहे हैं।" और मैंने ऐसा ही करने का इरादा किया है। मैं ऐसा ही करना चाहता था।

76 मैंने इसे एक उद्देश्य के लिए किया है, जिससे कि मैं यह कह सकूं। क्या कोई भी चीज निश्चित या अचूक है? जी हां। वहां एक चीज है जो निश्चित है। ओह, मैं इसके लिए बहुत खुश हूं, कि वहां एक चीज है जिस पर आप अपना भरोसा रख सकते हैं, और सुनिश्चित करें कि यह सही है। ओह, जब बाकी की हर एक चीज खत्म हो जाती है, *यह* चीज बनी रहेगी। यदि

आप संत मत्ती 24:35 को पढ़ेंगे, तो उसने कहा, "आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन नहीं टलेगा।" परमेश्वर के पास एक निश्चित बुनियाद है।

77 एक बूढ़े व्यक्ति ने एक बार कहा, वहां दक्षिण की ओर का एक बूढ़ा व्यक्ति। वो एक बाईबल को लिए हुए था, और वह पढ़ नहीं सकता था। और उन्होंने कहा, "आप इसे क्यों लिए फिर रहे हो, सैम? "

78 उसने कहा, "यह—यह पवित्र बाईबल है।" कहा, "इस पर लिखा हुआ है।" और कहा, "मैं इस पर विश्वास करता हूं, शुरू से लेकर अंत तक, और आगे के कवर पर भी विश्वास करता हूं, " उसने कहा, "क्योंकि इस पर 'पवित्र बाईबल' लिखा हुआ है।"

79 और वह व्यक्ति उससे बात कर रहा था, कहा, "तुम विश्वास नहीं करते कि ये सब इसमें है? "

कहा, "जी हां, श्रीमान। मैं निश्चय ही करता हूं।"

80 उसने कहा, "अब, ठीक है, तुम्हारा मतलब है कि आप वो कुछ भी करते है जो बाईबल ने कहा है? "

उसने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

81 कहा, "क्या हो यदि उस बाईबल ने सैम के लिए कहा कि वहां *उस* पत्थर की दीवार में से कूद जाए? आप क्या करेंगे? "

उसने कहा, "मैं कूद जाऊंगा।"

82 उसने कहा, "तो ठीक है, अब, तुम कैसे पत्थर की दीवार में से होकर जा रहे हो, बिना छेद के? "

83 उसने कहा, "यदि बाईबल ने सैम को कूदने के लिए कहा, तो वहां दीवार में एक छेद होगा जब सैम वहां पहुंचता है।" इसलिए, यह लगभग सही बात है। वहां पर एक छेद होगा।

84 केवल एक चीज जो आपको करनी है कि परमेश्वर के वचन पर खड़े रहे या अपना रुख रखे, और परमेश्वर बाकी बातों के लिए मार्ग को बनाएगा। ओह, वह बड़ी बुनियाद!

85 मैं सोचता हूं कि उसने लूका में कहा, मैं सोचता हूं कि यही था, जहां पर वो पहाड़ से नीचे आ रहा था, उसने चेलो से कहा, "मनुष्य मुझ मनुष्य के पुत्र को क्या कहते है? "

और एक ने कहा, "'यिर्मयाह,' और 'भविष्यवक्ता,' और इत्यादि।"

और उसने कहा, "लेकिन तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूं?"

86 यही है जब पतरस ने यह ध्यान देने योग्य कथन दिया, "तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र।"

87 उसने कहा, "हे शमौन, योना के पुत्र, तू धन्य है, क्योंकि मांस और लहू ने तुझ पर यह प्रगट नहीं किया। लेकिन मेरा पिता जो स्वर्ग में है, इसे तुझ पर प्रकट किया। और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इसके विरोध में प्रबल नहीं होंगे।"

88 तब यह क्या है? परमेश्वर के वचन के प्रकट हुई सच्चाई पर। क्योंकि, "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और उनके बीच में रहा।" और यह पतरस पर प्रगट किया गया था कि यह परमेश्वर का प्रमाणित वचन था। आमीन।

89 यही कारण है कि वह कह सका, "कौन मुझे पाप के लिए दोषी ठहरा सकता है? कौन मुझ पर दोष लगा सकता है? हर एक चीज जो वचन ने मेरे लिए लिखी है, मैंने उसे पूरा किया है।" परमेश्वर ने इसे प्रमाणित किया था, कि वह वचन था। ओह, ऐसा ही है। परमेश्वर प्रकट हुआ है, वचन ऐसा कहता है, और फिर परमेश्वर इसे वास्तविक बनाता है, इसे पूरा करता है, इसे दिखाता है।

90 वर्षों पहले, जब उन्होंने कलीसिया से कहा, "पवित्र आत्मा के बपतिस्मे जैसी कोई चीज नहीं है, यह तो बस एक भावना है कि लोगों ने खुद को उत्तेजित कर लिया है," लेकिन जिन्होंने इसे पाया, वे जानते थे कि यह सच्चाई थी। वे जानते थे कि परमेश्वर वास्तविकता था। और यह अब तक साबित हो चुका है, सारे राष्ट्रों में परमेश्वर का पेंटीकोस्टल का कदम या प्रयास ने, उन बाकी सभी की तुलना में मसीह के अंदर अधिक लोगों को लाया है।

91 अधिक समय नहीं हुआ, *आवर संडे विसिटर्स*, इस कैथोलिक अखबार ने कहा, मैं विश्वास करता हूं कि यह पिछले वर्ष से पहले की बात है, या पिछले वर्ष, एक, कि, "कैथोलिक कलीसिया ने केवल पांच लाख मत परिवर्तन को पंजीकृत किया। जहां, पेंटीकोस्टल ने पंद्रह लाख, को पंजीकृत किया।" आमीन।

92 यह क्या है? यह बढती हुई चीज है, परमेश्वर का वचन, बाहर के देश में फैल रहा है। हमें कितना आभारी होना चाहिए! यह बहुत अधिक है, यहां तक कि अब भी एपिस्कोपेलियन, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन, और सभी, इसमें से कुछ को पाने के लिए आ रहे हैं। आप बिजनेस मैन की सभा में ध्यान देना, आप उन अलग–अलग लोगों को बोलते हुए सुनते हैं: एपिस्कोपेलियन, लूथरन, प्रेस्बिटेरियन। क्यों, आपने शायद ही कभी किसी पेंटीकोस्टल के बारे में सुना हो जो कुछ भी और अधिक कर रहा हो। यह सही है। यह सब दूसरे है। यही कारण है क्योंकि? उन्होंने अपनी संस्था की कमजोरी को देखा है, और वे वापस वचन पर लौट कर आ गए हैं। वहां आप एक बुनियाद को पाते हैं, कुछ तो ऐसा जो हिलाया नहीं जा सकता।

93 वहां पाते हैं, पवित्र आत्मा उसके जीवन को मनुष्य जाती में जी रहा है, स्वयं को संसार पर जाहिर कर रहा है। और यह मनुष्य को उसके लिए प्यासा बनाता है: ना हिलने वाला, अविवादित, परमेश्वर का वचन प्रगट हुआ और स्वयं को दिखा रहा है, वचन स्वयं मनुष्य के जीवन में से होकर जी रहा होता है। क्या ही अद्भुत बात है! इसके बारे में कुछ भी अनिश्चित नहीं है। आप देख सकते हैं कि परमेश्वर ने कहां प्रतिज्ञा की है, और यहां यह प्रगट हो रहा है। सैकड़ों वर्ष पहले भविष्यवक्ताओं ने इसके बारे में बात की थी, और यहां हम इसे पूरा होते हुए देखते हैं।

94 सारी आलोचनाओं में से होते हुए, सारे मतभेदों में से होते हुए, सारे मत–सिद्धांतों में से होते हुए, उन्होंने किस तरह से परमेश्वर के वचन को बाहर निकालने की कोशिश की है! कैसे उन्होंने शिक्षा को उसके स्थान पर रखने का यत्न किया। उन्होंने स्थान पर रखने का यत्न किया, संप्रदाय को बनाया। उन्होंने खुद को ही उलझन में डाल दिया है। और इस सब में से, परमेश्वर का वचन अब भी उतना ही चमकदार और उज्ज्वल है जैसा उसने हमेशा किया था। यह क्या है? यह वो चीज है जो निश्चित है। परमेश्वर ने कहा, "आकाश और धरती दोनों टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन टलेगा नहीं।" तब, यह कुछ तो है जो निश्चित है। यदि आप अपने आप के लिए लंगर को डालना चाहते हैं, तो उस वचन को अपने ह्रदय में लंगर डाले।

95 दाऊद ने कहा कि उसने इसे अपने ह्रदय में छिपा रखा है, जिससे कि वह पाप नहीं करे। उसने उसकी व्यवस्थाओं को खम्भे पर लिखा, और

उन्हें अपने हाथों से बांध दिया और हर कहीं, उसके वचन को हमेशा अपने सम्मुख रखा। यही तरीका है। अपने मन को निरंतर...

96 परमेश्वर ने यहोशू से कहा, "इससे ना ही दाहिने ओर मुड़ना या ना बायीं ओर मुडना। तब तू अपने मार्ग को सफल बनाएगा। तब तुझे अच्छी सफलता मिलेगी।"

97 और जब कलीसिया अपने आप में एक हो जाती है, अपने मत–सिद्धांत से दूर, और परमेश्वर के वचन पर, तब कलीसिया के पास अच्छी सफलता होगी। यही वो चीज होगी जो साम्यवाद को बाहर कर देगी।

98 साम्यवाद ने क्या बनाया... ? वही चीज, आप सोचते हैं "साम्यवाद," जब वे अपने प्रचार को फैलाते हैं, और छलांग लगाते हुए बढ़ते हैं, लाखों लोगों के द्वारा, और लोग इसके बारे में डरे हुए होते है: कि साम्यवाद धुंधला पड़ जाएगा और ख़त्म हो जाएगा। इसे होना है। साम्यवाद, वे हो सकता है *ऐसा* करे। वे *वैसा* कर सकते हैं। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर इसका उपयोग करेगा, लेकिन, यह सही है, ठीक जैसे उसने नबूकदनेस्सर के साथ किया। वह बाहर निकाल फेंकेंगा, वो—वो—वो... सारी बेकार के पौधों को, साम्यवाद के साथ। लेकिन, वह... नहीं, इसके लिए इतना ही है। लेकिन, देखो। लेकिन वो चीज, साम्यवाद, उसका एक अंत होगा। साम्यवाद अपने अंत में आ जाएगा।

99 लेकिन परमेश्वर के वचन का कोई अंत नहीं है, क्योंकि इसकी कोई शुरुआत नहीं थी। आमीन। यह परमेश्वर के साथ अनंत है। और यदि आप लंगर डाले हुए हैं, और वचन आप में लंगर डाले हुए है, तो आप वचन के साथ अनंत है। आमीन।

100 इसे उसके समाप्ति पर आना है। वे सारी चीजें हिल रही हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितने बड़े खंभे को बना रहे हैं, इसे नीचे गिरना ही है। वे सारी चीजें जो उसकी नहीं है, वचन के विरोध में है, या इसके विपरीत है, उन्हें हटना होगा। इसे स्थान को देना होगा, क्योंकि वचन विजयी होकर आ रहा है। इसे कोई नहीं रोक सकता। परमेश्वर यों कहता है।

101 जब वह इसे बोलता है, तो आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन यह कभी भी टलेगा नहीं। उस वचन को अपने ह्रदय में छिपा लो, कैसे भी उस वचन को लेकर और इसे बढ़ने दे। इसे हमेशा ही अपने मन में रखें, क्योंकि यह कभी भी टलेगा नहीं। परमेश्वर का वचन कभी असफल नहीं

होगा, क्योंकि उसने कहा यह नहीं होगा। इसलिए हम इसे उसी पर रखना चाहते हैं।

102 अब, पौलुस ने वचनों में कहा, जैसे एक योद्धा को प्रशिक्षित करना, एक योद्धा को एक आवाज के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। अब, एक योद्धा को उसकी आवाज़ को सीखना है... उसके बिगुल या तुरही की आवाज़ को समझना होता है। वह नहीं जानता कि यदि तुरही बजती है, फूंकी जाती है, क्या हमला करना—करना है या पीछे हटना है। यदि वह फर्क को नहीं जानता है, तो आपके पास किस तरह की मिली–जुली सेना होगी? शत्रु निश्चय ही उन योद्धाओं के झुण्ड पर विजय प्राप्त करेगा जो इससे बेहतर प्रशिक्षित नहीं थे। आमीन।

103 यही मामला आज हमारी कलीसियाओ के साथ है। हमने उन्हें मत–सिद्धांतों पर प्रशिक्षित किया है, एक को दूसरे से फर्क करते हुए।

104 हमें एक होना होगा। हमें एक तुरही को जानना होगा। "तो फिर कौन सी तुरही है? " वे कहते हैं। सुसमाचार की तुरही, यही है। जीवित परमेश्वर का वचन तुरही है। इसके साथ कुछ भी मत मिलाओ।

105 किसी को फ़्रांस की वीणा बजाने के लिए ना कहें, और दूसरा एक बिगुल बजाता है। कोई नहीं जानता कि क्या करना है। यह एक गड़बड़ी को लाता है।

106 और पौलुस एक मनुष्य को आवाज के लिए प्रशिक्षित करने के विषय में बात कर रहा था। और जैसा कि वह आवाज आती है, वह ठीक–ठीक जानता है कि क्या करना है, क्योंकि बिगुल को आज्ञा मिली है, उस मुख्य कप्तान से। और जब वह इस तुरही को फूंककर आवाज़ करता है, तो सेना बिल्कुल ठीक जान जाती है कि उस स्थान की—की ओर आगे बढ़ना है, और कहां पीछे हटना है, और तुरही को फूंकने के द्वारा दायें मुड़ना या बाएं मुड़ना है, या क्या करना है।

107 अब, सेना, युद्ध, यह हमेशा से ही युद्ध रहा है। हम कभी भी कलीसिया में नहीं जुड़ते है, या कलीसिया में नहीं आते है, कि पिकनिक मनाने आए। हमें अवश्य ही अनुभव करना चाहिए कि हम युद्ध के मैदान में आ रहे हैं।

108 मैं कभी भी लोगों के पास नहीं आया कि मेरी पीठ को थपथपाये और कहे, "भाई ब्रंहम, आप एक अद्भुत व्यक्ति हैं।" नहीं, श्रीमान। मैं वहां एक ढाल के साथ आता हूं। मुझे इसके लिए ढाल की आवश्यकता नहीं है। मैं

एक टोप और हथियार के साथ आता हूं। मैं लड़ने के लिए आया हूं, जमीन के हर एक इंच के लिए लड़ने को।

109 परमेश्वर ने यहोशू से कहा, "हर एक स्थान पर जहाँ तुम्हारे पांव के तलवे पड़ेंगे, वो मैं तुम्हें देता हूं।" इसलिए, पदचिन्हों का अर्थ अधिकार होता है।

110 और जब कलीसिया एक स्थान पर पहुंच जाती है, तो यह संस्थाओं के साथ समझौता करती है, और वचन के साथ समझौता करती है, और संसार के साथ समझौता करता है, मेरा मतलब है, तब यह जमीन को खोते जा रहे है। यह वापस ले रहा है।

111 आज रात हमें आवश्यकता है वे योद्धा इस बाईबल की हर एक दिव्य प्रतिज्ञा पर अधिकार करे, जिसकी परमेश्वर ने कलीसिया से प्रतिज्ञा की है, परमेश्वर के सारे हथियार, और कि खड़े हो। यही है जिसकी हमें आवश्यकता है, योद्धाओ की; ड्रेस परेड के लिए वर्दी नहीं मिलती, यह हमेशा अलग होता है। जब एक मनुष्य...

112 कोई भी राष्ट्र, हमारे पास हर राष्ट्र में से जासूस या भेदिये होते हैं। हमारे यहां जर्मन जासूस है। हमारे यहां अंग्रेजी जासूस है। हमारे पास—हमारे पास इंग्लैंड में जासूस है। वे क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि किस तरह की वस्तु या पदार्थ है, किस तरह का बम है, जो दूसरे के पास है। एफ बी आई हर राष्ट्र के बहुत नजदीक है। वे देख रहे हैं, इसे देखने के लिए। इसी तरह से वे जीते हैं। वे नजर रखते हैं और देखते हैं कि दूसरे के पास किस तरह का बम है। तब वे वहां आकर और इसे थोड़ा बेहतर बनाते हैं, या इसका विरोध करने के लिए कुछ तो बनाते हैं। वे राष्ट्रों में एक दूसरे पर भरोसा नहीं करते हैं, क्योंकि यह दर्शाता है कि राष्ट्र हिल रहे हैं। क्योंकि, इंग्लैंड हमें एक घंटे में उड़ा देगा, यदि हम उनके मार्ग को पार करते है, या तो हम उन्हें उड़ा देंगे। बस किसी को उस चीज़ के आगे पर ले जाता है, ताकि थोड़ा या, बहुत अधिक पानी मिल सके, या किसी चीज के साथ, और फिर वहां से चले जाये।

113 यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, वे कह रहे थे, "मेड इन जापान," युद्ध के दौरान एक छोटा सा पदार्थ था। वे इसे फर्श पर पटक देते, और चारों ओर घूमते, देशभक्ति। और अब आप इसके लिए एक बड़ी कीमत को चूकाएंगे, जो कुछ भी आप राष्ट्र में खरीदते हैं। क्या हुआ? यह उन लड़कों के जीवन

का भुगतान करता है जो वहां पर मर गए? निश्चय ही नहीं।

114 यह क्या है? मैं परवाह नहीं करता कि आप भौतिक चीजों में कितना लड़ते हैं, आप जा रहे हैं, यह कुछ भी मायने नहीं रखेगा। यह हिल जाएगा। लेकिन एक लड़ाई है जिसके अंदर आप जा सकते हैं और ऐसी जमीन को हासिल कर सकते हैं जिसे आपसे कभी भी छीना नहीं जा सकता है। यही परमेश्वर के वचन की तुरही की सुसमाचार की आवाज है, और दानों और प्रतिज्ञाओं को अधिकार में लिया गया है जो उसने कलीसिया को दिया है। निश्चय ही ऐसा है। अब, हम पाते हैं—हम पाते हैं इस तुरही की आवाज को दे रही है।

115 अब, हर राष्ट्र अपने जवानों को सबसे अच्छे बचाव के साथ हथियारों से लैस करने की कोशिश करता है जो उनके पास हो सकता है। अब, मैं जानता हूं, कभी–कभी इन हथियारों को लेकर चलना आसान नहीं होता है।

116 मेरा एक भाई था, वे उस "रूकी," बुलाते, यहाँ पर जाता, और सेना ने उसे उसकी पीठ पर नब्बे पाउंड का बोझा लाद दिया। और यह उसके वजन के काफी करीब था। उन्होंने उसे एक फावड़ा दिया, जिससे कि एक गड्ढा खोदे; एक बंदूक, और हथगोले का एक पूरा ढेर। और, ओह, मैंने ऐसा बोझ कभी नहीं देखा! वह बेचारा छोटा सा व्यक्ति मुश्किल से आगे चल भी नहीं सकता था। और वे उसे सड़क पर से पांच मील की लंबी पैदल यात्रा के लिए ले गए। यह ऐसा था कि उसे मार डालेगा। उसने कहा, "यह बेकार की वस्तुये किस लिए है? मुझे इस बड़े पुराने टोप की क्या आवश्यकता है? " अब, देखो। सेना जानती है कि उसे किसी समय इसकी आवश्यकता पड़ेगी। "यहाँ बाहर महामार्ग पर चलते हुए, मैं फावड़े के साथ क्या चाहूंगा? " बेहतर होगा इसका उपयोग करने की आदत डालें। आपको इसकी आवश्यकता पड़ सकती है।

117 सरकार ऐसे ही कोई भी चीज के आदेश को जारी नहीं करेगी जब तक आप नहीं जानते... वे जानते हैं कि आपको इसका उपयोग करना पड़ेगा। आपको इसके लिए प्रशिक्षित होना चाहिए। वे सबसे अच्छी चीजें ढूंढते हैं जो वे ढूंढ सकते हैं, ताकि आपकी रक्षा करे, क्योंकि वे राष्ट्र में रुचि रखते हैं। वे आप में रुचि रखते हैं कि आप सबसे अच्छी तरह से आरक्षित हो सके, जो आप गोलियों से दूर कर सके। हमेशा से ऐसा ही रहा है।

118 यह अदन की वाटिका में आरंभ हुआ। और परमेश्वर अपनी कलीसिया को प्रशिक्षित करता है। और...

119 आप जानते हैं, हमें हमेशा सुधार करना होता है। अब, पुराने हवाई जहाज जो हम पहले विश्व युद्ध में इस्तेमाल किया करते थे; दूसरे विश्व युद्ध में, क्योंकि, वे छोटे–छोटे विमान हवा में पूरी तरह से खत्म हो गये थे, जब उन्होंने इन अच्छे बड़े अच्छे विमानों को ऊपर रखा जो उनके पास थे। क्यों, वे कुछ भी नहीं थे। और अब, जिन विमानों को उन्होंने इस अंतिम युद्ध में उपयोग किया था, अब वे पुराने ढंग के हो गए हैं। उन्हें अब उनकी आवश्यकता नहीं है। उनके पास जेट विमान है। और, देखो, आप हमेशा सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं, कि बचाव के लिए चीज पर सुधार करें।

120 लेकिन आप जानते हैं क्या? परमेश्वर को और सुधार नहीं करना होता है। परमेश्वर ने अपने बच्चों को, अपने योद्धाओं को सबसे अच्छी चीज को दिया, जो उन्हें दिया जा सकता था। जब उसने उन्हें देता है, तो उसने उन्हें क्या दिया? उसने उन्हें अदन की वाटिका में अपना वचन दिया, और मनुष्य को अपने आप को परमेश्वर के वचन के पीछे दृढ़ बने रहना था, और कोई भी शैतान उसे नहीं पकड़ सकता। वचन में बने रहे।

121 अब, शत्रु जासूस, शैतान ने यह पता लगाने की कोशिश की कि वह उसमें सेंध लगाने के लिए क्या कर सकता है। इसलिए वह—वह जान गया कि वह बाहर आकर और उसे धोखा नहीं दे सकता, इसलिए केवल एक चीज जो वह कर सकता था, कि उसे तर्क–वितर्क करने पर ले आये। और यही है जो परमेश्वर आज अपनी कलीसिया को दृढ़ करने के लिए उपयोग करता है, यह उसका वचन है। और शैतान तर्क करने की शक्ति के साथ आता है। शैतान जानता था कि यह निकलने का रास्ता था। यही वो स्थान था जिसे लोग सबसे आसानी से तोड़ते थे, जो कि तर्क–वितर्क में था।

122 आप कहते हैं, "अब, मैं आपके साथ तर्क–वितर्क करूं। अब क्या यह आवश्यक है? "

123 यदि परमेश्वर ने कहा कि यह आवश्यक था, तो यह आवश्यक है, चाहे हमें रोना पड़े, और गला फाडकर चिल्लाये, और *यह* सब करना पड़े। यदि परमेश्वर ने कहा कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा आवश्यक है, मैं परवाह नहीं करता कि यह कितना भारी है, और आपको कितना भी संसार को छोड़ना पड़े, इन दिनों में से किसी एक दिन जीवित रहने के लिए आपको

इसका उपयोग करना होगा। यह जीवित रहने का एकमात्र तरीका है।

124 "अब, क्या हमें दिव्य चंगाई का अमल करना चाहिए, जब कि हमारे पास संसार के सबसे अच्छे डॉक्टर हैं? "

125 परमेश्वर ने आपको दिव्य चंगाई दी है क्योंकि वह जानता है कि आपको इसका उपयोग करना है। उसने आपको आत्मा के दान दिए।

126 और जैसे ही शैतान ने हव्वा को घेर लिया, उसने उसके साथ तर्क करना आरंभ कर दिया। अब, "निश्चय ही, निश्चय ही, परमेश्वर *ऐसा* नहीं करेगा।"

127 लोग आज कहते हैं, "नरक जैसी कोई चीज ही नहीं है।" उनमें से बहुत से लोग आपको ऐसा बताते हैं। देखा? "ओह, निश्चय ही परमेश्वर अपने बच्चों को नहीं जलाएगा।"

128 निश्चय ही, वह अपने बच्चों को नहीं जलाता। लेकिन शैतान जलायेगा, उसके बच्चों को। आप किसके बच्चे हैं? यह बाद की बात है। नरक शैतान और उसके बच्चों के लिए बनाया गया था, ना कि परमेश्वर के बच्चों के लिए। उनमें से एक भी वहां नहीं जायेगा। यह सही है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किसके बच्चे हैं।

129 अब, परमेश्वर ने हव्वा और आदम को अपना वचन दिया, और उसने इसे कभी नहीं बदला। उसके पास हमेशा... मसीही, या विश्वासी जन, उसका बचाव वचन है।

130 आकाश और धरती टल जाएगे। हर संस्था टल जाएगी। हर एक संप्रदाय टल जाएगा। हर राष्ट्र डूब जाएगा। लेकिन परमेश्वर का वचन अनंत काल तक खड़ा रहेगा। एक समय आयेगा जब भोर का तारा अब और नहीं चमकेगा। एक समय आएगा कि सूर्य नहीं चमकेगा, और चंद्रमा नहीं चमकेगा, और संसार अपने परिक्रमा कक्ष में नहीं घूमेगा।

131 लेकिन परमेश्वर का वचन हमेशा एक सा बना रहेगा। जी हां। यह कुछ तो ऐसा है जिसे हिलाया नहीं जा सकता है, कुछ तो ऐसा है जिस पर आप निर्भर हो सकते हैं। यह निश्चित है। परमेश्वर जो कुछ भी कहता है, उसका घटित होना निश्चित है।

132 यदि उसने कहा, अदन की वाटिका में, एक छुड़ाने वाले के लिए, वह मसीहा को भेजेगा, इसका आना निश्चित था। यद्यपि उन्होंने चार हजार वर्ष

तक प्रतीक्षा की, लेकिन वह वहां आ पहुंचा। उसे आना ही था क्योंकि यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा किया हुआ वचन था।

133 परमेश्वर ने उसे फिर से वापस भेजने की प्रतिज्ञा की है। वह यहां होगा। मैं परवाह नहीं करता कि कितने अविश्वासी और नास्तिक उठ खड़े होते हैं, जो कुछ भी वे करते हैं, साम्यवाद कितना अधिक फैलता है, यीशु मसीह आएगा, और एक कलीसिया को लेगा जो लहू से धुली हुई है, और इसे लेकर आकाश की सवारी पर स्वर्ग में ले जाएगा। क्यों? ऐसा होना निश्चिय है। परमेश्वर का वचन ऐसा कहता है।

134 "यदि तू विश्वास कर सकता है, तो सारी बातें संभव है।" यह निश्चित है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है, और यह टल नहीं सकता, इसे हिलाया नहीं जा सकता। परमेश्वर ने ऐसा कहा है, यदि आप बस इसके साथ बने रहेंगे (अब...) और इस में भरोसा रखते है, तो इसका विश्वास करें।

135 यह अनिश्चित आवाज नहीं है। परमेश्वर अनिश्चित आवाज को नहीं दे सकता। वे मत–सिद्धांत एक अनिश्चित आवाज को दे सकते है। संप्रदाय एक अनिश्चित आवाज का प्रचार कर सकते हैं। लेकिन परमेश्वर एक अनिश्चित आवाज को नहीं दे सकता है। और यह वचन परमेश्वर है। और इसके बारे में कोई अनिश्चितता नहीं है। यह पूरी तरह से निश्चित है।

136 अब, वो बड़ी कलीसिया वचन के द्वारा हथियारबंद है। अब, जब यीशु आया, तो क्या उसने उसी हथियार का उपयोग किया? उसने निश्चय ही किया।

137 जब शैतान उसके पास उसकी सारी शक्ति में आया, और उसने कहा, "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो *ऐसे, ऐसे* कामो को कर।"

138 उसने कहा, "ऐसा लिखा है... " ठीक वापस वचन को लिया। शैतान ने उसे थोड़ा और ऊंचा करने की कोशिश की। लेकिन, यीशु, ठीक वापस वचन को लिया, "ऐसा लिखा है... "

139 वहां वह उस वचन पर बना रहा, हमें एक उदाहरण के रूप में दिखा रहा है। जैसा कि उसने पहले कुरिन्थियों में कहा, पहले... संत यूहन्ना 14:13 में, "मैंने तुम्हें एक उदाहरण दिया है।" और यह एक उदाहरण है, कि हमें जोर देकर, हमें परमेश्वर के वचन में अपना भरोसा पूरी तरह से रखना चाहिए। बाकी सब कुछ झूठा होने दो। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

140 यही एक चीज है जो निश्चित है। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की। परमेश्वर प्रतिज्ञा को पूरा करने जा रहा है। वे कहते हैं, "*यह* बात कैसे हो सकती है? वह कैसे लोगों के झुण्ड को एक साथ ला सकता है, रेपचर के अनुग्रह के साथ, ऊपर जाने के लिए?" मैं नहीं जानता कि वह इसे कैसे करेगा। यह मेरा काम नहीं है कि यह पूछे कि वह इसे कैसे करता है। मेरा काम यह है कि मैं इसके लिए तैयार रहूं। उसने इसकी प्रतिज्ञा की। यह होने जा रहा है। वचन के द्वारा अपनी कलीसिया को किलाबंद किया।

141 और पहली चीज तर्क–वितर्क था। अब वे कहते हैं, "क्या यह अब उचित नहीं है, यदि मैं *इस* कलीसिया से संबंध रखता हूं, तो क्या यह *उस* कलीसिया की तरह ही अच्छी नहीं है?"

142 केवल एक ही कलीसिया है जिससे आप संबंध रख सकते हैं। आप इसमें कभी भी जुड़ेंगे नहीं। आप लॉज, मेथोडिस्ट लॉज, और एक प्रेस्बिटेरियन लॉज, और बैपटिस्ट लॉज, और पेंटीकोस्टल लॉज में जुड़ सकते हैं। लेकिन आप यीशु मसीह की कलीसिया में जन्म लेते हैं, सो वहां पर वो कलीसिया है।

143 वे सब लॉज हैं, जहां लोग एक साथ आते हैं, जैसे कौवे *इस* डाल पर बैठे होते हैं, और *इस* डाल पर पिंडुकी, और—और आदि–आदि। यही आपकी संगति है जो आपकी एक साथ होती है, जब आप एक ही भोज पर साझा कर रहे होते हैं।

144 लेकिन जब यह यीशु मसीह की कलीसिया की बात आती है, तो वहां केवल एक ही मार्ग है। वो है जन्म। जन्म!

145 यह बस एक व्यक्ति की तरह है, जैसा कि मैंने बहुत बार कहा है, जैसे एक काली चिड़िया डाली पर बैठी हुई है, अपने पंखों में मोर के पंखों को डालने की कोशिश कर रही है, और कहती है, "तुम देखो, मैं एक गर्व से चलता हुआ मोर हूं।" देखा? उसने उन पंखों को अपने आप में अटकाया होता है। यदि वह सच्चा मोर होता, तो उसका स्वभाव उस प्रकार के पंख को उत्पन्न करता।

146 यदि जीवित परमेश्वर की कलीसिया जीवित परमेश्वर की कलीसिया होती है, तो यह जीवित परमेश्वर के वचन को आगे रखेगी। आपको कहीं भी मोर के पंखों को जोड़ने की आवश्यकता नहीं है। और वहां का हर एक पंख एक मोर से जुड़ा हुआ होगा। आप इसका विश्वास कर सकते हैं। और

हर एक पंख जो परमेश्वर की कलीसिया में जुड़ हुआ है, परमेश्वर का वचन होगा। वह कभी भी वचन के अलावा और कुछ इसमें नहीं डालेगा। आमीन। क्योंकि, आत्मा का स्वभाव केवल वचन को ही सामने रखता है। आमीन। मैं धार्मिक महसूस कर रहा हूं। सही है।

147 ऐसा कुछ भी नहीं जो आप करने की कोशिश करते हैं, कुछ भी नहीं जो आप बनाते हैं। आप ऐसा नहीं कर सकते धार्मि–... आप उद्धार का निर्माण नहीं कर सकते। आप दानो का निर्माण नहीं कर सकते। आपको दानो को उत्पन्न करना है। निश्चित रूप से। देखा? वो—वो भेड़ नहीं करता, वो ऊन का निर्माण नहीं करता है। उसके पास ऊन होती है क्योंकि वह एक भेड़ है। वह केवल ऊन को उत्पन्न करता है। वो—वो—वो चेरी का पेड़ चेरी का निर्माण नहीं करता है। यह तो बस चेरी को उत्पन्न करता है, क्योंकि इसका जीवन इसी तरह से होता है।

148 और जीवित परमेश्वर की कलीसिया इसके अंदर डालती नहीं है, ताकि खुद को कुछ तो ऐसा दिखाने की कोशिश करे। वे परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा पहले से ही वही हैं जो वे हैं। और परमेश्वर का वचन उनके साथ जुड़ा हुआ है, और वे वचन के साथ जुड़े हुए है। और वे कार्य जो उस एक सिद्ध में लाए गए थे, यीशु मसीह में, परमेश्वर देह में प्रगट हुआ, अपने आप को हर नया जन्म पाए हुए विश्वासी के जरिये से उत्पन्न करेगा। उसने ऐसा कहा। आमीन। और कुछ भी नहीं। अब, यही कुछ तो निश्चित है।

149 अब, यह एक मनुष्य के लिए थोड़ा—थोड़ा उलझाने वाला होगा, यदि वह कभी भी तुरही की वास्तविक आवाज को नहीं जानता। अब, वह मनुष्य जिसे कभी भी तुरही के लिए प्रशिक्षित नहीं किया गया है, और इसे कभी नहीं सुना, ठीक है, वह थोड़ा उलझाने वाला हो सकता है जब वह कुछ उससे अलग आवाज को सुनता है जो उसने सुनी है। उसने हमेशा ही सुना है, "कलीसिया से जुड़ना है। अपने सदस्यता पत्र को *यहाँ* से और *यहाँ* से लो।" यह हो सकता है ठीक हो। वो इतना ही सब जानता है।

150 लेकिन फिर जब आप वापस आने लगते हैं, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के विषय में, परमेश्वर की सामर्थ और उन चीजों के विषय में जो वह करता है; और यह किस तरह से महिलाओं और पुरुषों को बनाता है, दोनों, अपने आप को पाप के जीवन से शुद्ध करते हैं; किस तरह से यह उन्हें ईमानदारी से धार्मिकता में चलने को लगाता है। और वे चीजें जो यह करता है, और

बपतिस्मा को लाता है, अन्य जुबान में बोलना, बीमारों को चंगा करना, शैतानों को बाहर निकालना, भविष्यवाणी करना, वे दान, ओह, वे दर्शन, कलीसिया में हर एक चीज को। हाल्लेलुय्या! यह सही है। जब यह जाता है, तो यह उनके लिए थोड़ा उलझाने वाला होता है जिन्होंने इस प्रकार की तुरही को कभी नहीं सुना।

151 "तो ठीक है," आप कहते हैं, "मेरी कलीसिया यह नहीं सिखाती है।" तब यह सुसमाचार की तुरही को फूंकना नहीं है। महिमा! ठीक है।

152 लेकिन उन प्रशिक्षित योद्धाओं के लिए, हाल्लेलुय्या, जब वे उस तुरही की आवाज को सुनते हैं, तो वे जानते हैं कि कैसे व्यवस्था में खड़ा होना है। आगे बढ़ते हुए, मसीही योद्धा! महिमा! ओह, यह निश्चित है!

"आप कैसे जानते हैं कि यह निश्चित है?"

यह वचन पर है।

"तो ठीक है," आप कहते हैं, "हमारी कलीसिया ऐसा नहीं सिखाती है।"

153 लेकिन तुरही इस आवाज़ को देती है। मैं कलीसिया के मत–सिद्धांत के लिए प्रशिक्षित नहीं होना चाहता, क्योंकि यह हिल जायेगा और गिर जायेगा। लेकिन यदि आप वचन के लिए प्रशिक्षित हैं, तो आकाश और धरती टल जाएंगे, और यह वचन कभी भी नहीं टलेगा। हर एक संस्था, हर एक चीज, गिर जाएगी। लेकिन यह वचन कभी नहीं टलेगा। आमीन। यही वो आवाज है। यही वो आवाज है जिसे मैं सुनना चाहता हूं। जी हां, श्रीमान।

"ओह," आप कहते हैं, "मैं कैसे जानूंगा?"

154 यीशु ने कहा, "मेरी भेड़ मेरी आवाज़ को सुनती है। वे मेरी तुरही को जानते हैं।" उसने संत यूहन्ना के 14वें अध्याय और 12वें पद में कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा।" अब, उसने यह कहा।

यदि एक मनुष्य कहता है, "ऐसा है?"

155 इब्रानियों 13:8 ने कहा, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।"

"ओह," वे कहते हैं, "कुछ नियत बातों में एक सा है।"

156 अब, एक वास्तविक भेड़ कहेगी, "उंह–ओह। ओह, उसमें कुछ तो चीखने की आवाज़ को किया। यह अच्छा नहीं लगा। ओह, यह अवश्य ही एक फ़्रांस का सींग रहा होगा। यह तुरही नहीं थी, क्योंकि बाईबल कोई अनिश्चित आवाज नहीं देती है।"

157 यह कहता है, "तुम पवित्र आत्मा को पाओगे।" ना ही, "तुम पा सकते हो।" "तुम पाओगे, हर एक जन।" कब तक? "तुम्हारी संतान के लिए, और तुम्हारी संतान की संतान के लिए, और वे जो आगे आने वाली हैं, जितनो को हमारा प्रभु परमेश्वर बुलाएगा।" वह हर एक जाति और हर एक पीढ़ी में तुरही को फूंकेगा, और वे उसकी आवाज को सुनेंगे। वे इसे विश्वास करेंगे, वे लोग जो जीवन के लिए ठहराये गये है। आमीन। वे इसे विश्वास करेंगे क्योंकि वे जानते हैं कि यह सुसमाचार की तुरही बज रही है। यह अनिश्चित नहीं है। हर एक योद्धा जानता है कि कैसे खड़ा होना है।

158 अब, आपने पतरस, और यूहन्ना, याकूब, और आरंभिक कलीसिया को देखा, इस मार्ग में आगे बढ़ते हुए, क्योंकि तुरही, यीशु ने कहा, "तुम सारे संसार में जाकर, सुसमाचार को प्रचार करो।" मरकुस 16, देखो, "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।" हम पतरस, याकूब, यूहन्ना को देखते हैं, वे बाकी के व्यवस्थित होकर, उस ओर आगे बढ़ते हैं।

159 और हम किसी और मार्ग से मुड़ रहे हैं, इससे दूर? एक आगे जा रहा है, दूसरा पीछे जा रहा है? एक कह रहा है, "तो ठीक है, यह दूसरे के लिए था। यह, यह—यह आवाज, दूसरे के लिए थी।" ओह, नहीं। यह ऐसा नहीं हो सकता।

160 सारी मसीही सेना तुरही को सुनती है। परमेश्वर ने कहा कि वह तुरही थी। वह इसे बदल नहीं सकता। यही वह ध्वनि है जिसके बारे में उसने कहा था कि यह आवाज़ सुनाई देगी। "यह सब मनुष्य जान जायेंगे," और कलीसिया चली जाती है।

161 उनमें से कुछ उसके वास्तविक आगमन में विश्वास नहीं करते। बाईबल ने कहा कि वह आएगा, इसलिए हम उसके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यदि वह आज रात यहां नहीं होता है, तो हम सुबह को उसके लिए देख रहे होंगे। यदि वह यहां सुबह को नहीं होता है, तो हम कल रात को उसके लिए देख रहे होंगे। और हम देखते रहेंगे। यदि हम सो जाते हैं, तो हमारे—हमारे... हम व्यर्थ में बेसुध नहीं हुए हैं। "क्योंकि परमेश्वर की तुरही उस

अंतिम तुरही को फूंकेगी, और जो मसीह में मरे हुए हैं वे जी उठेंगे। और हम जो जीवित और बचे रहेंगे उनके साथ मिलकर ऊपर उठा लिए जाएंगे, ताकि हवा में प्रभु से मिले, और हमेशा के लिए वहां पर रहे।" यह तुरही की आवाज है। चाहे मैं जीवित रहूं या मैं चला जाऊं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं आवाज को सुनूंगा। मैं उठूंगा। परमेश्वर की महिमा हो! उठो। ओह, हाँ। जी हां।

162 यीशु ने कहा, कि, "मेरी भेड़ मेरी आवाज़ को सुनती है।" वह प्रकट हुआ वचन था। जब वो... इसी तरह से उसकी भेड़ें उसे जानती हैं।

163 अब उस दिन में फरीसियों को और उनकी ओर देखें। "ओह," उन्होंने कहा, "यह मनुष्य बालजबूब है।" जब उसने कुएं पर स्त्री को बताया, जहां, उसके पापों के बारे में, उसके पति जो उसके हुए थे, जब उसने नतनएल को बताया कि वह कहाँ पर था, उस पेड़ के नीचे जहाँ फिलिप्पुस ने उसे बुलाया था, अंजीर के पेड़ के नीचे, प्रार्थना कर रहा था, क्यों, उस दिन के उन शिक्षकों ने कहा, "यह मनुष्य बालजबूब है। वो एक शैतान है। वह ज्योतिषविद्या को बताने वाला है।"

164 लेकिन पतरस, याकूब और यूहन्ना और उनमें से बाकी के साथ ऐसा नहीं था। वे इसे जानते थे। क्यों? वे जानते थे कि परमेश्वर ने कहा कि जब मसीहा आएगा, मूसा की प्रेरणा से भरी आवाज के नीचे, वह एक भविष्यवक्ता होगा। और जब उन्होंने उन बातों को देखा जो उसने कहा प्रकट हुआ और सिद्ध हुआ, वे जान गए कि यह भेड़ का भोजन था। वे जानते थे कि यह वो तुरही थी। और उन्होंने इसका अनुकरण करना आरंभ कर दिया। "मेरी भेड़ इसे जानती है," क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के वचन को प्रगट होते हुए देखा।

165 अब, आज के लोग, वे विश्वास नहीं करते कि पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जैसी कोई चीज है। यहां पर उतरा या कहीं पर जहां उनके पास पवित्र आत्मा है, और वे देखते हैं कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा बिल्कुल ठीक–ठीक पूरी हो रही है, क्यों, "मेरी भेड़ मेरी आवाज़ को सुनती है।" वे उस तुरही की आवाज को जानते हैं क्योंकि यह बाईबल है। "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" वह अब भी ठीक–ठीक इब्रानियों 13:8 है।

166 मैं परवाह नहीं करता, अब, इससे कोई जरा भी फर्क नहीं पड़ता कि

कितने कलीसिया के सींग बज रहे हैं। हमारे पास बहुत से कलीसिया के गूंजने वाले भोंपू या हार्न हैं, आप जानते हैं, चारों ओर हर कहीं गुंज रही है, कहते हुए, "ओह, अद्भुत कामों के दिन बीत चुके हैं। दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है।"

167 ओह, सच्ची भेड़ इसको नहीं सुनती है। लेकिन वे उस तुरही को सुनते हैं, जो कि सकारात्मक है।

168 वह कलीसिया का भोंपू या हार्न कुछ भी आवाज को दे सकते है। आप हो सकता है... देखो आज उनके पास क्या है, कलीसिया के भोंपू या हार्न। एक *इस* ओर भाग रहा है, और एक *उस* ओर भाग रहा है। और शैतान पीछे बैठा हुआ है, कहता है, "लड़के, वे बस एक दूसरे से लड़ रहे हैं। बस ऐसा ही है। मुझे यहाँ तक अपने हाथ को भी नहीं हिलाना है।"

169 लेकिन, भाई, उन सभी को एक बार हथियार को लेने दो, सामान्य आदेश पर वापस आने दो। ओह, प्रभु! तब आप "आगे की ओर, बढ़ते हुए मसीही योद्धाओ" को देखेंगे, सही है, ना ही भोंपू को नहीं सुन रहे हैं, लेकिन तुरही को सुन रहे हैं।

170 आइए बस एक मिनट के लिए रुककर, और पूछे जाकर और अब कुछ को देखेंगे। हम बंद करने जा रहे हैं, क्योंकि मैं आपको यहां इतने लंबे समय तक रोक कर नहीं रखना चाहता हूं। लेकिन आइए हम वापस जाएं और कुछ लोगों की ओर को देखें जिन्होंने इस आवाज को सुना। आइये... और वे निश्चित थे। अब, मैंने आपको दिखाया है कि बाकी सब कुछ अनिश्चित है। आइए कुछ क्षण के लिए एक पुराने चरित्र को लें।

171 आइए भविष्यवक्ता अय्यूब को लें। अब, वह मनुष्य एक परीक्षा में से होकर निकला, लेकिन वह जानता था कि परमेश्वर को होमबलि की आवश्यकता है। यही है जिसकी परमेश्वर ने मांग की, और यही सब उसकी मांग है। और कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसके घर पर कितनी भी विपत्तियां आई... परमेश्वर हमेशा नहीं...

172 जब आप किसी व्यक्ति के लिए कुछ गलत होते हुए देखते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसे परमेश्वर के द्वारा कोड़ा मारा जा रहा है। यह ऐसा नहीं हो सकता है कि वह परमेश्वर की इच्छा से बाहर है। वह अपने ह्रदय में जानता है कि क्या वो तुरही को सुन रहा है या नहीं।

173 परमेश्वर ने इस होमबलि की मांग की, और अय्यूब ठीक इस पर खड़ा रहा। बस ऐसा ही है। उन्होंने कहा, "अय्यूब, तुम एक गुप्त पापी हो। तुम कुछ तो गलत कर रहे हैं।" लेकिन वह अच्छी तरह से जानता था। वह ठीक वहीं पर बना रहा, क्योंकि उसने तुरही की आवाज़ को सुना था, और वह ठीक इसके साथ वहीं पर बना रहा।

174 और, अंत में, ठीक आगे अंतिम छोर पर, जब वह... शैतान को उस पर छोड़ा गया था, और उसके परिवार को ले लिया, और उसने उसके बच्चों को ले लिया, अपने ऊंटों को लिया, और उसके सारे धन–दौलत को ले लिया, और उसकी खुद की सेहत को बिगाड़ दिया। वह राख के ढेर पर बैठ गया। ऐसा दिखाई दिया कि सब कुछ चला गया था। लेकिन उसने फिर भी कहा, "मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है। अंत के दिनों में वह धरती पर खड़ा होगा। भले ही खाल के कीड़े इस शरीर को नष्ट कर दें, फिर भी मैं अपने शरीर में परमेश्वर को देखूंगा।" इसके विषय में कुछ भी अनिश्चित नहीं था, क्या वहां था? ना ही, "मैं—मैं—मैं—मैं एक प्रकार से सोचता हूं कि वह जीवित है।" उसने कहा, "मैं जानता हूं कि वह जीवित है, और वह धरती पर अंतिम दिनों में खड़ा होगा। भले ही खाल के कीड़े इस शरीर को नष्ट कर दें, फिर भी मैं अपने शरीर में परमेश्वर को देखूंगा।" ओह, प्रभु! यह घटित हुआ। वह बहुत ही निश्चित था।

175 अब्राहम, एक दिन मैदान में चल रहा था, उसने परमेश्वर को कहते सुना, "अब्राहम, मैं ऐसा करने जा रहा हूं... " वो वचन को लिखे जाने से पहले अब्राहम से मिला था, और उसने कहा, "अब्राहम, मैं तुम्हें तुम्हारी पत्नी साराह से एक पुत्र देने जा रहा हूं।" और उस समय वह पैंसठ वर्ष की थी, और अब्राहम पचहत्तर वर्ष का था। और उन्होंने इसके लिए तैयारी की, और उसे सबको बताने में लज्जा नहीं आई थी। वह जानता था कि उसे पुत्र होने जा रहा है।

176 और बाईबल ने कहा, "वह अविश्वास में से होते हुए परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर डगमगाया नहीं, लेकिन पूरी तरह यकीन हो गया था।" आमीन। पूरी तरह से यकीन हो गया, इसका मतलब है कि उसने सर्वश्रेष्ठ से भेंट की है। आमीन। यही है। सर्वश्रेष्ठ मार्ग का आखिरी होता है। यही अंतिम बात है। यही—यही सब है।

उसने कहा, "मैं पूरी तरह से मान लेता हूं कि, जो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा

की है, परमेश्वर उसे पूरा कर सकता है।"

177 क्या आप, आज रात, क्या आप पूरी तरह से यकीन करते हैं कि यह पवित्र आत्मा है? क्या आप पूरी तरह से यकीन करते हैं, यही जरिया है? क्या आप पूरी तरह से यकीन करते हैं, वह एक चंगा करने वाला है? क्या आप पूरी तरह से यकीन करते हैं कि वह फिर से आ रहा है? क्या आप पूरी तरह से यकीन करते हैं कि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है? आमीन। पूरी तरह से यकीन है! जी हां।

178 आइए एक और को ले, एलिय्याह, वहां पहाड़ पर खड़ा हुआ है। उसने इजाबेल के साथ विवाद किया था और उसका रंगा हुआ चेहरा, और वह एक प्रकार से इससे थक गया था। सभी महिलायें उस प्रथम या प्रभावशाली महिला के रूप–श्रृंगार के अनुसार करती थी उस विषय में, हो सकता है उभरे हुए नमूने के बाल काटना और उस दिन में जो कुछ भी उनके पास बालों के काटने के नमूने थे। उसने इस पर इतना वाद–विवाद किया था यहाँ तक कि ये—ये नौबत आ गई उसे वहां नीचे भेज दिया।

179 परमेश्वर ने सीधे–सीधे उससे कहा, "वहां नीचे जाओ। तुम जानते हो, सप्ताह में यहाँ आसपास लगभग हर दो या तीन दिन बारिश होती है। लेकिन आप आहाब के पास खड़े होकर, और तुम उसे बताओ, '**यहोवा यों कहता है**। आकाश से ओस नहीं गिरेगी, जब तक मैं इसे नहीं कहता।'" ओह, प्रभु!

180 उसने ऐसा नहीं कहा, "अब, आहाब, हो सकता है, हो सकता है, यह इस तरह से काम करे।" ओह, नहीं। उसे पूरी तरह से यकीन हो गया था, कुछ भी अनिश्चित नहीं था। "ओस नहीं गिरेगी, बारिश नहीं आएगी, जब तक मैं इसके लिए नहीं बोलता।" आमीन। महिमा! ओह, क्यों? उसने तुरही को सुना। यह निश्चित था। वह अपने परमेश्वर को जानता था। वह जानता था कि कुछ तो होगा, जब परमेश्वर ने उस वचन को बोला, तो सारे आकाश और धरती टल जाएंगे जब तक कि यह—यह नहीं होता, इसे घटित होना था। वह निश्चय ही यकीन हो गया था।

181 अब, उसने कहा, "एलिय्याह, मैं चाहता हूं कि तुम उठकर वहां देश के सबसे सूखे स्थान में चले जाओ, उस पहाड़ पर चढ़ जाओ जहाँ पर कोई झरने नहीं हैं। लेकिन मेरे पास वहां तुम्हारे लिए एक है।"

182 उसे पूरी तरह से यकीन हो गया था। वह पहाड़ पर चढ़ गया और करीत नाले के पास बैठ गया। "और अब मैं यहाँ पर क्या करूं? "

"मैंने पहले से ही कौवों को आज्ञा दे दी है कि वे तुम्हें भोजन खिलाये।"

183 "अब, वे कौवे कैसे... अब, एक मिनट रुके, प्रभु"? नहीं, नहीं। तुरही ने आवाज़ को दिया था। यही काफी है। "यह कैसे होने जा रहा है? मैं नहीं जानता। मैं चिंता नहीं करता। देखा? इसके बारे में चिंता करना मेरा काम नहीं है। यह परमेश्वर का काम है। उसने कहा कि उसने कौवों को आज्ञा दी है।"

184 "तो ठीक है, प्रभु, क्या आप कृपया इसे मेरे लिए खोल देंगे, और मुझे बताएंगे कि वे कहां... वे कौवे किस विद्यालय में गए है, कि इब्रानी बोलना सीखे? किस तरह का... क्या वे गैस के चूल्हे पर खाना पकाते हैं, या उनके पास लकड़ी की आग होती है, या वे इसे कैसे करते हैं? और वे कहाँ पर... वे किस तरह के जानवर को मारेंगे? वे तो बस एक छोटे से पक्षी है। कैसे वे मेरे लिए गाय को मारेंगे, कि मेरे लिए गौमांस के सैंडविच लाये? " देखा? समझे? इस पर सवाल नहीं उठाया गया था।

185 परमेश्वर, परमेश्वर की वो—वो तुरही, उसकी आवाज आगे गयी और कहा, "मैंने किया है!" (नहीं, "एलिय्याह, मैं इसे कर सकता हूं।") "मैंने इसे किया है।" ("मैं इसे करूंगा।") "मैं इसे पहले ही कर चुका हूं।" आमीन।

186 आज रात्रि यही हमारा परमेश्वर है। ना ही, "वह इसे करेगा।" वह इसे पहले ही कर चुका है। आमीन। वह इसे पहले ही कर चुका है। आमीन। ना की, "वह करेगा; वह कर सकता है; शायद वह करेगा।" वह इसे पहले ही कर चुका है। "मैंने कौवों को आज्ञा दे दी है।"

187 उसने अपने आत्मा को सारे मनुष्यों को दिया। उसने उसकी आशीषों को दिया। वह ऊंचे पर चढ़ गया, और मनुष्यों को दान दिए। कोई तो इसे लेने जा रहा है। कोई तो इससे मुंह मोड़ देगा। यह मेरा काम नहीं है कि यह किस तरह से आता है। यह बस ऐसा है कि यह वहां पहुंच जाता है। परमेश्वर ने कहा कि यह ऐसा होगा, और ऐसा ही है। पतरस ने कहा, पेंटीकोस्ट के दिन पर, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करे, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे।" यह कैसे आने वाला है? मैं नहीं जानता। "वो—वो प्रतिज्ञा

तुम्हारे संतान के लिए है, उनके लिए जो आगे आने वाले हैं, यहां तक कि जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।" अब, आप इसको समझा नहीं सकते। तुरही ने आवाज़ को दिया है, और मैं इसका विश्वास करता हूं। मैंने इसका पालन किया, और इसे पा लिया। आमीन। अब इस पर एक बार मुझ से विवाद करने का यत्न करते है। आमीन। ओह, मैं सिद्ध नहीं हूं। नहीं।

188 उस रात की तरह, वो बूढी अश्वेत बहन, उसने कहा, "प्राचीन, क्या मैं गवाही दे सकती हूं? "

"जी हां, महोदया।"

189 उसने कहा, "मैं इस एक बात को कहना चाहती हूं।" उसने कहा, "मैं—मैं—मैं वो नहीं हूं जो मैं बनना चाहती हूं।" और उसने कहा, "मैं वो नहीं हूं जो मुझे होना चाहिए। लेकिन, एक बात है जो मैं जानती हूं, मैं वो भी नहीं हूं जो मैं हुआ करती थी।"

190 तो, इसी तरह से, अब हम इसके बारे में महसूस करते हैं। मैं वो नहीं हूं जो मैं हुआ करता था, क्योंकि मैं आज रात बचाया गया हूं, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, और पवित्र आत्मा के बपतिस्मा को पाया है, उस आज्ञा पर। इसे वहां पेंटीकोस्ट के दिन पर उंडेला गया था, प्रतिज्ञा दी गई थी, और मैंने इसका विश्वास किया। कुछ भी अनिश्चित नहीं। मैंने आवाज को सुना है। मैंने इसका पालन किया, और मैं निश्चित हूं कि ऐसा ही है। निश्चित रूप से। मैं जानता हूं कि यह है। यकीनन।

191 शिमोन, एक बूढ़ा संत जो लगभग अस्सी वर्ष का था, यहां तक कि एक भविष्यव्यक्ता को भी धरती पर होने के सैकड़ों वर्ष हो गए थे, लेकिन एक महान प्रतिष्ठा के साथ घूम रहा था। पवित्र आत्मा ने एक दिन उससे बात की, कहा, "शिमौन, तुम जानते हो, तुम तब तक नहीं मरोगे जब तक तुम प्रभु के उद्धार को नहीं देख लेते।" महिमा!

192 हो सकता है वो महायाजक अपनी दाढ़ी को कुछ समय रगड़ रहा हो, और कहा, "शिमोन, तुम्हें अपनी दाढ़ी को दूसरी ओर से कंघी करना चाहिए।"

उसने कहा, "इससे जरा भी फर्क नहीं पड़ता।"

"तुम कैसे जानते हो कि तुम सही हो? "

"पवित्र आत्मा ने मुझे ऐसा बताया। मैं नहीं मरूंगा।"

193 "क्यों, शिमोन, क्यों, तुम... क्यों, तुम ठीक अभी मरने जा रहे हो।"

194 "ओह, मैं परवाह नहीं करता कि तुम क्या कहते हो। लेकिन परमेश्वर ने मुझे बताया कि मैं मृत्यु को नहीं देखूंगा जब तक मैं उसके उद्धार को नहीं देख लेता। कुछ भी अनिश्चित नहीं। मैं नहीं मरूंगा। मैं मृत्यु को नहीं देख सकता जब तक मैं उसे नहीं देख लेता।" आमीन। ऐसा ही है।

"तुम इसे कैसे करने जा रहे हो, शिमोन? "

"मैं, यह मेरा काम नहीं है।"

"वो कहाँ पर है, शिमोन? "

"मैं नहीं जानता।"

"तुम कैसे जानते हो कि तुम उसे देखने जा रहे हो? "

195 "परमेश्वर ने ऐसा कहा है। ऐसा ही है। यह वचन है। मैं मृत्यु को नहीं देखूंगा, जब तक मैं उसे नहीं देख लेता।" ओह, प्रभु!

196 "ओह, बेचारा बूढ़ा व्यक्ति। बिल्कुल, उसका दिमाग ठिकाने पर नही है, तुम जानते हो। इसलिए उसे अपने हाल में छोड़ दो।"

197 लेकिन जो भी हो उसने उसे देखा। जी हां, श्रीमान। परमेश्वर उन लोगों के लिए मार्ग को बनाता है जो उसके वचन को लेंगे।

198 यीशु, जब वह यहां धरती पर था, और वह वहां लाजरस की कब्र पर खड़ा था।

199 या, इससे पहले, जब वह लोगों के साथ—साथ बातचीत कर रहा था, इस बारे में बात कर रहा था कि वह कैसे, अब तक पचास वर्ष का नहीं हुआ था, और कहा कि उसने अब्राहम को देखा है। आपने ध्यान दिया कि वह कितना सकारात्मक था? उसने कहा, "इससे पहले कि अब्राहम था, मैं हूं। मैं हूं।" ना ही, "मैं था," या, "मैं होऊंगा," लेकिन, "मैं हूं। मैं सकारात्मक हूं।"

200 तब, उसने लाजरस की कब्र पर कहा, इसके पहले कि वह वहां जाता, उसने कहा, मार्था को बताया, उसने कहा, "मैं पुनरुत्थान, जीवन हूं।" ना ही, "मुझे होना चाहिए," या, "मैं होऊंगा," लेकिन, "मैं हूं।" आमीन।

201 "यदि तू यहां पर होता, तो मेरा भाई नहीं मरता। लेकिन अब भी, प्रभु, जो कुछ भी तू परमेश्वर से मांगे, परमेश्वर तुझे दे देगा।"

उसने कहा, "तेरा भाई फिर जी उठेगा।"

202 "ओह, वह अंतिम दिनों में जी उठेगा, सामान्य पुनरुत्थान पर। वह एक अच्छा लड़का था। हां, मैं विश्वास करती हूं कि वह जी उठेगा।"

203 लेकिन यीशु ने उसे थोड़ा अपने आप को सीधा किया, ऊपर हुआ, कहा, "लेकिन मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं।" ना ही, "मैं होऊंगा; मुझे होना चाहिए," या आदि–आदि। "**मैं हूँ**।" वहां कुछ भी नहीं है, वहां कुछ भी डगमगाता हुआ, इसके विषय में हिलता हुआ नहीं है। कुछ भी अनिश्चित नहीं। यह सकारात्मक था।

204 "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं। वह जो मुझ पर विश्वास करता है, यदपि वह मर भी जाए, तौभी वह जीवित रहेगा। जो कोई भी जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी नहीं मरेगा।" ना ही—ना ही, "हो सकता है वे ना जीये। वे शायद नहीं जियेंगे।" "वे नहीं मरेंगे। इसके बारे में कुछ भी नहीं—कुछ भी अनिश्चित नहीं है। वे नहीं मरेंगे।"

205 "वह जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन है, और यहां तक कि न्याय में भी नहीं आएंगे, लेकिन मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुके हैं।"

206 "उन्हें न्याय में नहीं आना चाहिए"? वे न्याय के लिए नहीं आएंगे। आमीन। उसने मेरे न्याय को ले लिया। वहां कोई काम नहीं है। आमीन। वहां आप है। "मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुके।" ओह!

207 अब उसने कहा कि उसने इसे विश्वास किया। अब, यीशु ने कभी नहीं कहा, "ठीक है, तुम जानती हो, कि तुम यह विश्वास करती हो, और तुम जानती हो कि मैं वचन हूं, और—और मैं—मैं... तुम जानती हो कि मैं वो हूं जो आने वाला था। तुमने इसे स्वीकार किया है। तुम इसे विश्वास करती हो। मैं तुम्हें बताऊंगा कि हम क्या कर सकते हैं। आओ हम प्राचीनों को एक साथ ले, और वहां जाकर और देखें कि क्या हम इसके विषय में कुछ भी कर सकते हैं।" नहीं, नहीं। उसने कहा, "मैं करूंगा... " नहीं, "वहां जाकर और *देखते* है कि क्या मैं उसे जिला कर खड़ा कर सकता हूं।" "मैं जाकर उसे जगाऊंगा।" आमीन। ना ही, "मैं—मैं कोशिश करूंगा।" "मैं

करूंगा।" कुछ भी अनिश्चित नहीं। यह कोई अनिश्चित आवाज नहीं थी, जब उसने कहा, "मैं करूंगा। मैं करूंगा।"

208 और उसी एक ने कहा, "मैं करूंगा," आपसे एक प्रतिज्ञा की है। हाल्लेलुय्या! ओह, प्रभु! आमीन।

"मैं जाकर और उसे जगाऊंगा।"

209 उसने फिर से कहा, "इस मंदिर को ढा दो, और मैं देखूंगा कि मैं इसके बारे में क्या कर सकता हूं"? "तुम इस मंदिर को नष्ट कर दो, और मैं इसे तीन दिनों में फिर से खड़ा कर दूंगा।" कुछ भी अनिश्चित नहीं। "अब मैं कोशिश करूंगा। तुम सब वहां खड़े होकर देख सकते हो कि मैं इसे कर सकता हूं या नहीं"? आह, नहीं। "मैं इसे जिला कर खड़ा करूंगा।" कुछ भी अनिश्चित नहीं। "मैं इसे जिला कर खड़ा करूंगा। तुम—तुम इसे नष्ट कर दो; मैं इसे उठा कर खड़ा करूंगा।" ओह, प्रभु!

210 क्यों? वह जानता था कि वह वो व्यक्ति था, वचन में, जिसके विषय में दाऊद ने बोला था। "मैं उसके प्राण को अधोलोक में नहीं छोड़ूंगा, ना ही मैं अपने पवित्र जन को सड़ने दूंगा।" और वह जानता था कि वह उस वचन की प्रतिज्ञा में शामिल था, तो इसलिए वह सकारात्मक था।

211 अब, क्या हम उतने सकारात्मक नहीं हो सकते है? हम उसे दूसरी बातों के लिए उदाहरण में लेते है। जब तक परमेश्वर का वचन इसे कहता है, क्या हम वचन के बारे में उतने सकारात्मक नहीं हो सकते हैं जितना वह इसके विषय में था?

212 "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं।" "मैं इसे फिर से जिलाऊंगा।" आमीन। क्यों? वह जानता था कि वचन ने इसके विषय में बोला है, और वह यकीनन आगे आएगा।

213 यदि मैं वहां यूहन्ना 5:24 में वह व्यक्ति हूं, "वह जो मेरा वचन सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन है, और मैं उसे अंतिम दिनों में फिर से जिलाऊंगा। वह न्याय में नहीं आएगा; मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चूका है।" यही—यही हम है। और हम किस बात से डरते हैं? क्या बात है?

214 इससे क्या फर्क पड़ता है कि आप कौन से ब्रांड के कपड़े पहनते हैं? आप अपने आप को *यह, वो,* या *कुछ* और कहते हैं। हम परमेश्वर के

अनुग्रह के द्वारा परमेश्वर की संतान हैं। हम परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा पवित्र आत्मा से भर गए हैं। इससे क्या फर्क पड़ता है कि *यह* वाला *वो* है या *यह*, है यदि वो एक प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट है? यदि वह पवित्र आत्मा से भरा हुआ है, तो उसमें पुनरुत्थान का जीवन है। आमीन। जी हां। अब, पेंटीकोस्ट के दिन पर...

215 यीशु ने उन्हें लूका 24:49 में बताया, "देखो, मैं एक प्रतिज्ञा को भेजता हूं।" ना हीं, "मैं शायद इसे कर सकता हूं। मैं देखूंगा कि मैं इसके बारे में क्या कर सकता हूं।" "मैं अपने पिता की प्रतिज्ञा को तुम पर भेजूंगा। लेकिन वहां यरूशलेम नगर में जाओ और तब तक प्रतीक्षा करो जब तक तुम सामर्थ से संपन्न न हो जाओ।"

216 अब, क्या हो यदि वे साथ–साथ प्रतीक्षा करते है, कहते है, ओह, छह दिन, वे कहते हैं, "हम किस बात पर रुके हुए हैं? मैं सोचता हूं कि हमें इसे विश्वास के द्वारा स्वीकार कर लेना चाहिए। क्या तुम ऐसा नहीं सोचते? "

217 क्या हो यदि याकूब ने कहा होता, नौवें दिन—पर, कहा होता, "शमौन, एक मिनट के लिए यहां आओ। तुम जानते हो, उस दिन मुझे एक प्रकार की विचित्र अनुभूति हुई थी। देखा? और तुम जानते हो कि मैं क्या विश्वास करता हूं? मैं—मैं—मैं सोचता हूं कि वह बस नहीं चाहता कि हम यहां पर रुके रहे। मैं विश्वास करता हूं कि हमें यह पहले ही मिल चूका है। क्या तुम ऐसा नहीं सोचते? आओ अपने काम के साथ आगे बढ़ें। आओ हम अपनी सेवकाई को जारी रखें"? ओह, ऐसा कभी नहीं हुआ होगा।

218 क्यों? वे जानते थे कि भविष्यवक्ता ने कहा है। अब सुनना। भविष्यवक्ता ने कहा, "अवश्य है कि आज्ञा पर आज्ञा हो, नियम पर नियम होना चाहिए, पंक्ति पर होना चाहिए; थोड़ा यहां और थोड़ा वहां।" "जो अच्छा है उसे पकडे रहो।" "क्योंकि हकलाते होठों और अन्य जुबान से मैं इन लोगों से बात करूंगा। और यह विश्राम है, वो सब्त।" वे जानते थे कि कुछ तो बात को जगह लेना था, जब यह आया।

219 "मैं अंतिम दिन में अपनी आत्मा को उंडेलूंगा।" योएल 2:28, "यह अंतिम दिनों में पूरा होगा, परमेश्वर यों कहता है, मैं अपनी आत्मा को सब प्राणियों पर उंडेलूंगा, और तुम्हारे बेटे और बेटीयां भविष्यवाणी करेंगे। अपने दास और दासियों पर मैं अपनी आत्मा में से उस दिन पर उंडेलूंगा।

मैं ऊपर आकाश में और—और नीचे धरती में चिन्ह को दिखाऊंगा, और आग, और धुआं, और भाप।"

220 वे जानते थे कि पवित्र आत्मा के आगमन के साथ–साथ कुछ अनुभव होना था। वे अनिश्चित आवाज को नहीं ले रहे थे। लेकिन जब उन्होंने महसूस किया कि कुछ तो गतिविधि हो रही है, और बाईबल के प्रमाण को इसके साथ बढ़ते हुए देखा, वे अनिश्चित नहीं थे। ठीक बाहर रास्तों पर वे निकल पड़े। मुझे क्षमा करें। ओह, प्रभु! वे निश्चित थे कि यह पवित्र आत्मा था।

221 आप जानते हैं कि वे कितने निश्चित थे? इतना तक, पतरस, वह छोटा सा अशिक्षित व्यक्ति, एक लट्ठे पर या एक बक्से पर कूद पड़ा, या कहीं तो, कहा, "तुम यहूदिया के लोगों," छोटी सी छाती एक मुर्गे की तरह बाहर की ओर तनी हुई थी। उसने कहा, "तुम यहूदिया के लोगों, तुम जो यरूशलेम में रहते हो! कुछ समय पहले मैं तुमसे डरा हुआ था; अब मैं डरा हुआ नहीं हूं। यह बात तुम जान लो, और मेरे शब्दों को कान लगाकर सुनो। ये लोग नशे में नहीं हैं जैसा कि तुम सोचते हो कि यह नशे में है। लेकिन यह वो *है*।" "हम *आशा* करते हैं कि यह वही है"? "हम *सोचते* हैं कि यह वही है"? उसने कहा, "यह वही *है* जिसके विषय में योएल भविष्यवक्ता के द्वारा बोला गया था।" हाल्लेलुय्या! इसके विषय में कुछ भी अनिश्चित नहीं है। "यह वही *है* जिसके विषय में योएल भविष्यवक्ता के द्वारा बोला गया था।" ओह, प्रभु!

222 यीशु ने मरकुस 16 में कहा, उसकी कलीसिया को आज्ञा दी, "तुम सारे संसार में जाकर, सुसमाचार प्रचार करो।" "शायद ये चिन्ह होने चाहिए; वे होंगे, कभी तो एक बार, हो सकता है"? "वे विश्वास करने वालों के साथ–साथ जायेंगे। ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं। मेरे नाम में वे शैतानों को निकालेंगे। वे नई–नई भाषा में बोलेंगे। यदि वे सांप को भी उठा लेंगे या घातक वस्तु भी पी जाए, तो इससे उन्हें कोई हानि नहीं होगी। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।" ना ही, "हो सकता है।" "वे करेंगे। ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं।"

223 मैं इसे संक्षेप में बताऊंगा, भाईयों, बहनों, अगले कुछ मिनटों के लिए। मैं इसे विश्वास करता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि हर एक चीज, कोई भी

चीज जो इसके विरोध में है, सही नहीं है। मैं विश्वास करता हूं, हर एक चीज जो इसके विरोध में है गिर जाएगी। मैं विश्वास करता हूं, मैं परवाह नहीं करता कि कितने साम्यवाद, या इनमें से कितने *ये* वाद और *वो* वाद, और कलीसियावाद और रोमनवाद, और अन्य सारे हो, अमेरिकीवाद और बाकी का सब कुछ गिर जाएगा।

224 लेकिन वो वचन अनंत काल तक बना रहेगा, क्योंकि यह एक वचन है। और इससे पहले कि यह एक वचन हो, इसे एक विचार होना है। और एक शब्द एक व्यक्त किया हुआ विचार होता है। और परमेश्वर, अनंतता में, यह उसके मन में आया। उसने अपने विचारो को व्यक्त किया। यह एक वचन बन गया, और वचन को प्रगट होना है।

225 यही वो कारण है, जब उसने एक मसीहा के लिए बोला, वहां पर एक मसीहा को आना था। उसने बोला कि अंत के दिनों में एक कलीसिया होगी, उस पर बिना दाग या झुर्री के; वहां एक कलीसिया होगी। हाल्लेलुय्या! उसने इसे कहा। मैं उसके वचन को लेता हूं। मैं इसे विश्वास करता हूं।

226 मैं विश्वास करता हूं कि उसने पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा हर एक विश्वासी से की है जो विश्वास करेगा। मैं विश्वास करता हूं कि पतरस, पेंटीकोस्ट के दिन, जब उसने उस महत्वपूर्ण उपदेश को प्रचार किया, और उन सब को बताया कि पश्चाताप करो और बपतिस्मा लो, कि ये चिन्ह आयेंगे, और *ऐसा*। "जो कोई भी प्रभु के नाम को पुकारेगा वह बच जाएगा।" मैं विश्वास करता हूं कि यह सत्य है; उसी पर खड़ा हूं। मैंने इसे प्रगटीकरण में देखा है।

227 मैं जानता हूं कि मैं इससे लड़ रहा हूं। और मैं जानता हूं कि मैं कदम उठाने की कोशिश कर रहा हूं। इससे पहले कि मैं एक कदम को बढ़ाऊं, मुझे हर एक उलझन को निकाल कर अलग करना होगा, हरि–पिली घास को, बाकी की हर एक चीज, कि इसे रास्ते से हटाऊं। लेकिन हर बार जब आप एक कदम को उठाते हैं, तो आप आगे की ओर बढ़ रहे होते हैं। आमीन। बस चाकू को ले और उसे काट दे।

228 आप में से बहुत से लोगों को पॉल राडर याद होंगे, जो बहुत ही बहुमूल्य मित्र है। मैं बस एक लड़का प्रचारक ही था, बच्चा सा। मैं अक्सर फोर्ट वेयन जाया करता था, रेडिगर टेबरनेकल में उससे सुनने के लिए। महान बड़ा व्यक्ति! वह पीछे की ओर जाता, अपनी पतलून को ऊपर खींचता, अपने

हाथ को ऊपर उठाकर और भालू की तरह गुर्राता, और मैं सोचता कि वह पुलपीट में से होकर कूदने जा रहा है। जब वह... और वह एक विषय के साथ आरंभ करता, जी हाँ, उत्पत्ति में, और प्रकाशितवाक्य में समाप्त करता, सारा आगे और पीछे बातों को लेता। पौलुस पूर्ण रूप से एक मनुष्य ही था।

229 एक दिन बात करते हुए, उसने कहा, "मैं ओरेगन में एक लकड़हारा हुआ करता था," जहां से वह आया था। कहा, "एक दिन, आप जानते हैं," उसने कहा, "मैं—मैं बस मिशन के कार्य क्षेत्र में था, कहीं तो बहुत ही दूर।" अब मैं भूल गया कि यह कहाँ पर था। और वह मिशनरी का काम कर रहा था।

230 उसने परमेश्वर में विश्वास किया, दिव्य चंगाई में विश्वास किया। और पौलुस ने कहा, ठीक यहां पर जहां आज संसार की कलीसिया खड़ी होती है, उसने कहा, "यदि मैं अपने अनुग्रह के संदेश को गर्म–जोश से भरे पेंटीकोस्टल को बेच देता, उसे करने के बजाय, जो मैंने यहां आपके समूह के साथ किया है," कहा, "और अपने आप को चिंता में डाल दिया है, एक ऐसे स्थान पर आ गया जहाँ हजारों गुना हजारों डॉलर का कर्ज था। मैंने अपने आप को चिंतित किया है इतना तक कि मुझे कैंसर हो गया, और अब मैं मर रहा हूं। यदि मैंने अपने अनुग्रह के संदेश को गर्म जोश से भरे पेंटीकोस्टल को बेच दिया होता, तो परमेश्वर ने मुझे इसके लिए बहुतायत से आशीषित किया होता।" तो ठीक है।

231 उसने कहा कि वह वहां जंगलों में—में था, और उसे काले पानी का बुखार या ऐसा ही कुछ और हो गया। यह भयानक था। और वह बहुत दूर जंगलों में था, और दिव्य चंगाई में एक दृढ़ विश्वासी था। और उसने कहा कि वह बीमार और बीमार होता चला गया। उसने प्रार्थना की, प्रार्थना की। और कुछ मिशनरियों ने कहा कि वे बस एक नाव लेकर और जाकर एक डॉक्टर को बुलाने जा रहे थे। क्योंकि, डॉक्टर को लेने में उन्हें बहुत दिन लग जाते थे। और उसने कहा, "मैं—मैं... ऐसा मत करो। बस इसे ऐसे ही छोड़ दो।" कहा, "यदि परमेश्वर मुझे चंगा नहीं करता है, तो मैं घर आ रहा हूं।"

232 इसलिए उसने कहा कि उसकी पत्नी उसके साथ कमरे में रुकी हुई है। यह काला और काला होता चला जा रहा था। और कहा उसने अपनी

पत्नी को बुलाया, कहा, "प्रिय, मेरा हाथ को पकड़ो।" कहा, "बस मेरे लिए प्रार्थना करते रहो। अब अंधेरा होता जा रहा है।" कहा, "मैं—मैं विश्वास करता हूं कि छाया मेरे चारों ओर गिर रही है।" उसने कहा, "पकड़ो... बस मेरा हाथ पकड़ो और प्रार्थना करो, जबकि मैं बाहर जाता हूं।" उसने परमेश्वर से मिलने के लिए अपने आप को तैयार कर लिया।

233 वह बस एक प्रकार से अचेतन में चला गया। और उसने कहा कि उसने सपना देखा कि वह फिर से यहाँ ओरेगॉन में वापस आ गया था, एक युवा व्यक्ति के रूप में, लकड़ी काट रहा था। और कहा, छावनी के मालिक ने कहा, "पौलुस, यहां पहाड़ी के एक फलां किनारे पर जाकर, और कोई एक पेड़ को गिराना, उसका आकार फलां–फलां है।"

234 उसने कहा कि वह अपने युवा पैरों के साथ ऊपर पहाड़ की ओर भागा, और पेड़ को नीचे गिरा दिया, और उसे काट दिया, और कुल्हाड़ी को नीचे अटका दिया। उसने कहा कि किस तरह से वह नर्म देवदार, उसकी तेज, बडी, दोनो ओर काटने वाली कुल्हाड़ी देवदार में बहुत अच्छी तरह से अंदर चली गई। और कहा कि उसने इसे पकड़ लिया है, सोचा, "तो ठीक है, मैं अब इसे उठाकर पहाड़ी से नीचे ले जाऊंगा।"

235 अच्छा, बलवान पुरुष, कहा, "मैं हमेशा प्रशिक्षण दिया करता था कि कैसे अपने घुटनों को एक साथ रखकर, और अपनी पीठ से उठाता हूं, जो एक मनुष्य का सबसे बड़ा भाग है।" उसकी मांसपेशियां उसकी पीठ और कंधों में थी, उसके पैरों के पीछे। कहा, "मैं एक बड़ा लट्ठा उठाता," उसे उसके कंधे पर रखकर, चला गया। लेकिन कहा, "यह तो बस एक साधारण लट्ठा था, लेकिन," कहा, "मैं बस... " [भाई ब्रंहम माइक्रोफोन से टकराते हैं—सम्पा।] (मुझे क्षमा करे।) कहा, "मैं बस उस लट्ठे को नहीं हिला सकता।" (मुझे क्षमा करे।)

236 उसने कहा, "मैं बस उस लट्ठे को नहीं हिला सकता था।" उसने कहा, "मैंने कशमकश किया, और मैंने कशमकश किया और मैंने इसे लेने की कोशिश की, और मैं बस इसे नहीं कर सका।" उसने कहा, "मैंने अपनी सारी शक्ति मुझ में से निकाल कर लगा दी।" उसने कहा, "मैं बस उस लट्ठे को नहीं हिला सकता था।" और कहा, "आखिरकार, मैं इतना कमजोर पड गया, मैं बस पेड़ के पास बैठ गया और पसीने को पोंछने लगा। मैं बस थक गया था।"

237 और कहा, "थोड़ी देर बाद, मैंने अपने स्वामी की आवाज सुनी।" लेकिन कहा, "यह सबसे मधुर आवाज थी जिसे मैंने कभी सुनी थी।" और कहा, "जब मैं मुड़ा, तो उस आवाज ने मुझसे कहा, 'पॉल।' और मैंने कहा, 'जी हां, स्वामी, यह क्या है?' कहा, 'तुम इसके लिए किस बात पर खींच–तान कर रहे हो?'" उसने कहा, "ठीक है, आपने मुझे इसे छावनी में लाने की आज्ञा दी है, और मैंने बस अपने आप को इसे लाने के लिए थका दिया है। मैं बस—मैं बस इसे नहीं कर सकता, स्वामी।' उसने कहा, 'पॉल, क्या तुम उस जल की धारा को ठीक *वहां* पर बहते हुए नहीं देखते?' कहा, 'हां।' कहा, 'वह पानी की धारा ठीक नीचे छावनी की ओर जाती है। तुम इसे पानी में क्यों नहीं फेंक देते, क्यों नहीं इस पर कूदकर और सवारी करके छावनी की ओर चले जाते?' कहा, 'मैंने ऐसा कभी नहीं सोचा।'"

238 इसलिए उसने तब इसे धकेलकर पानी में डाल दिया, इस पर छलांग लगायी, कहा, "ओह, प्रभु!" वो पानी के छींटो को उछालने लगा, और कूद रहा था, और अपनी जोर की आवाज से चिल्ला रहा था, जब वह लहरों पर ऊपर–नीचे हो रहा था, और पानी में से होते हुए, हर एक चीज, इस लट्ठे पर सवार होकर, नीचे जा रहा था, चिल्ला रहा था, "मैं इस पर सवारी कर रहा हूं! इस पर सवारी कर रहा हूं!"

239 उसने कहा, पहली बात, वह अपने आप में आया, वह ठीक बाहर मंजिल के बीच में था, और उसकी पत्नी उसके साथ चिल्ला रही थी। वह चिल्ला रहा था, "मैं इस पर सवारी कर रहा हूं! मैं इस पर सवारी कर रहा हूं! मैं इस पर सवारी कर रहा हूं!" भाइयों!

> राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है,
> वे चिन्ह जो बाईबल ने पहले से बताये;
> अन्यजाति के दिन गिने हुए है, और भारी सतावट के साथ;
> "वापस लौट आओ, हे बिखरे हुए, अपनों की ओर।"

240 परमेश्वर के वचन का यह संदेश सत्य है। जीऊं या मरूं, मैं इस पर सवारी कर रहा हूं। मैं नहीं... मैं इसके साथ विवाद नहीं कर रहा हूं। मैं इसके बारे में विवाद करने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मैंने बस इसे ले लिया है, और मैं इस पर सवारी कर रहा हूं। आलोचकों को उठने दो। मैं हर एक

राइफल से गोली चलाऊंगा। मैं इन दिनों में से एक दिन शिविर में आ रहा हूं, परमेश्वर के वचन पर सवार होकर। आमीन। मेरा वहां पहुंचना निश्चित है।

आइए हम प्रार्थना करें।

241 आप क्यों अपने पाप के बोझ के साथ खींचा तानी करेंगे? आपकी ऐसी स्थिति क्यों होगी कि आप नहीं जानते कि आप कहां खड़े हैं, एक कलीसिया से दूसरे कलीसिया की ओर दौड़ रहे हैं, और एक स्थान से दूसरे स्थान पर? आप क्यों इसे आज रात क्रूस पर नहीं डालते, और क्यों नहीं वचन पर सवारी करते हैं? क्यों नहीं आप आज रात्रि परमेश्वर की प्रतिज्ञा को लेकर और उस गंदगी से बाहर निकल जाते है, उस बड़े नीले रंग में, इस तरह से खुला हुआ? इसके साथ खींचा–तानी मत करो। इसके साथ चिंता मत करो। बस इसे विश्वास करें, इसे स्वीकार करें। यह एक ऐसा राज्य है जिसे हिलाया नहीं जा सकता। इस पर सवारी करें।

242 यदि आप आज रात बीमार हैं, तो परमेश्वर की प्रतिज्ञा को ले, "मैं प्रभु हूं जो तेरे सारे रोगों को चंगा करता हूं।"

243 "मैं कैसे चंगा होऊंगा, भाई ब्रंहम? डॉक्टर कहता है कि मुझे हृदय की बीमारी है, मुझे कैंसर है, मुझे *यह* है, *वो* है," यह जो भी है, "मैं बहरा, गूंगा हूं। मैं अंधा हूं," जो भी हो। इससे क्या फर्क पड़ता है? बस परमेश्वर की प्रतिज्ञा को स्वीकार करें और उस पर सवारी करें।

244 आइए एक बड़ी छड़ी को लेते हैं, और इसे यहां चलाते हैं, और इसके ऊपर लिखते हैं, "विश्वास की प्रार्थना आज रात की गई है; मैं इस पर सवारी करने जा रहा हूं। बाईबल ने कहा, 'विश्वास की प्रार्थना बीमार को बचा लेगी, और परमेश्वर उसे उठा कर खड़ा करेगा। यदि उसने पाप किया है, तो उसे क्षमा किया जाएगा।' मैं इस पर सवारी कर रहा हूं। मैं इसे विश्वास करता हूं।"

245 यदि आपने गलत किया है, यदि आप आज रात हठी हैं, "वह जो अपने पाप को ढांपता है, वह सफल नहीं होगा। लेकिन वह जो अपने पाप को अंगीकार कर लेगा, उस पर दया की जाएगी।" इसे स्वीकार क्यों नहीं करते?

"तो ठीक है, मुझे क्या करना चाहिए, भाई ब्रंहम?"

246 इसे अंगीकार करें, और फिर इस पर सवारी करें। परमेश्वर ने ऐसा कहा। यह आपको सीधे आपके पाप से दूर ले जाएगा।

247 क्या वह व्यक्ति आज रात यहां पर है, जिसने कभी भी अपने प्राण के उद्धार के लिए परमेश्वर पर अपना वास्तविक भरोसा नहीं रखा है, और आप प्रार्थना में याद करवाना चाहते हैं जब हम बंद करते हैं? क्या आप बस अपने हाथ को उठाकर कहेंगे, "मेरे लिए प्रार्थना करें, भाई ब्रंहम। मैं अपनी चिंताओं को दूर करना चाहता हूं।" परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। "मैं निकालना चाहता हूं... " परमेश्वर आपको आशीष दे, महोदया। "मैं अपनी चिंताओं को दूर करना चाहता हूं।" परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको वहां पीछे आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे, युवा महिला। तो ठीक है। यह सही है। परमेश्वर आपको आशीष दे। "मैं अपनी चिंताओं को उस पर डालना चाहता हूं और बस अब उसकी प्रतिज्ञा पर सवारी करना चाहता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि उसने प्रतिज्ञा की है, 'वह जो मेरे पास आएगा, मैं उसे कभी ना ठुकराऊंगा।'"

248 "ना कि मैं कैसा महसूस करता हूं, 'मेरे लिए कल रात प्रार्थना की गई थी, भाई ब्रन्हम; मैं कुछ अच्छा महसूस नही कर रहा हूं।'" इसका इससे कोई लेना–देना नहीं है। मैं अपनी भावनाओं पर सवारी नहीं कर रहा हूं। मैं उसके वचन पर सवारी कर रहा हूं। यह उसकी प्रतिज्ञा है।

249 "भाई ब्रंहम, मैं चार या पांच बार वेदी पर गया हूं, पवित्र आत्मा को पाने की कोशिश कर रहा हूं। मुझे यह कभी नहीं मिला।"

250 इसका कुछ मतलब नहीं है। बस ठीक उस लट्ठे पर बने रहे, यह आपको सीधे–सीधे छावनी में ले आएगा, पहिलौठो की छावनी में, पवित्र लोगों की छावनी में। आप वहां पर पहुंच जायेंगे। बस अपने लट्ठे पर बने रहे, और चिल्लाये और परमेश्वर की स्तुति करते हुए बस जितना जोर से आप चिल्ला सकते हैं, चिल्लाये। इसे करने का यही तरीका है।

251 जबकि हमने अपने सिरों को झुकाया है, क्या आप वास्तव में इस पर सवारी करना चाहते हैं? तब, वह छोटी सी चीज जो आपके ह्रदय में गुदगुदा रही है, क्या आप यहां पर आकर और वेदी के सामने एक मिनट खड़े रहना चाहेंगे और आइये हम प्रार्थना करें और आप पर हाथ रखें? आपके आने पर हमें खुशी होगी।

252 आइए उस छोटी सी चीज को लेते हैं जो आज रात आपके हृदय के इर्दगिर्द रखी हुई है, और कहती हैं, "तुम जानते हो, तुम गलत हो। अब अपना हाथ उठाओ।" तो ठीक है।

253 आप लट्ठे पर कदम रखते है, उसकी प्रतिज्ञा का लट्ठा; वो पेड़, वो क्रूस जो काटा गया था। अब अपने हाथों को इस क्रूस के चारों ओर रखें। ठीक यहां चलकर आये और कहे, "अब मैं इस पर सवारी करने जा रहा हूं। ठीक अभी मैं इसका विश्वास करने जा रहा हूं। मैं इसे स्वीकार करने जा रहा हूं। मैं इसे विश्वास करता हूं। मैं कभी नहीं बदलूंगा। मैं ठीक उस वचन के साथ बना रहूंगा, जब तक वो एक की पुष्टि नहीं हो जाती। और उसके बाद उस एक की पुष्टि हो जाती है, मैं ठीक वहां पर पहुंचने जा रहा हूं और दूसरे पर चढ़ुंगा, और सीधे आगे सवारी करना आरंभ करूंगा।" देखा?

254 और वचन दर वचन, कदम दर कदम, आप हर उस चीज के अधिकारी हों जायेंगे जिसकी परमेश्वर ने आपसे प्रतिज्ञा की है। "क्योंकि सारी बातें संभव है," उसके लिए जो उस पर सवारी करेगा। उसकी प्रतिज्ञा पर सवार हो जाए, क्योंकि यह निश्चित है कि आपको छावनी में ले आयेगा। यह आपको परमेश्वर की उपस्थिति में लाएगा।

255 क्या अब आप आयेंगे जबकि हम अपने सिरों को झुकाये हुए हैं? और किसी के लिए भी मांगे जो वेदी पर खड़ा होना चाहेगा, बस कुछ क्षण के लिए प्रार्थना के लिए।

256 "मैं इस पर सवारी कर रहा हूं, प्रभु। प्रभु, मैं विश्वास करता हूं। मेरे सारे संदेह झरने में गाड़े गए हैं। प्रभु, मैं आ रहा हूं। मैं इसे विश्वास करता हूं। मैं आज रात सीधे वचन पर कदम रख रहा हूं, और मैं इसे अपने पूरे हृदय से विश्वास करने जा रहा हूं। मैं आपको आपके वचन पर ले रहा हूं।"

257 एक बहुमूल्य महिला यहां वेदी पर खड़ी है, कि—कि परमेश्वर को प्रमाणित करे कि उसका मतलब व्यवसाय से है। क्या आप नहीं आएंगे, जिनके सिर झुके हुए थे, और आपके हाथ ऊपर उठे हुए थे, और प्रार्थना में याद करवाना चाहते थे? क्या आप बस यहां पर चलकर आयेंगे? परमेश्वर आपको आशीष दे। बस ऊपर आ जाओ। यही है। सीधे आगे आकर और यहां खड़े हो। कहे, "मैं इस पर सवारी करने जा रहा हूं। परमेश्वर, आपने प्रतिज्ञा की है, मेरे हृदय पर किसी चीज ने दस्तक दी है, और मैं ठीक अभी उस पर सवार होने के लिए आ रहा हूं। और मैं इस पर तब तक बना रहूंगा

जब तक यह मुझे सीधे छावनी में नहीं ले आता। मैं सीधे वहां परम प्रधान के संतों की छावनी में आ रहा हूं।" परमेश्वर आपको आशीष दे। यह अच्छा है। ठीक अभी आगे आ जाये, आप जो इस पर सवारी करना चाहते हैं। बस जिस तरह से भी आप हैं, "जैसे मैं हूं, बिना किसी सफाई देने के।"

258 याद रखें। आप कहते हैं, "क्या यह एक पेड़ है?" जी हां। एक बार एक पेड़ को काटा गया था, और इसे फिर से कलवरी पर फिर से लगाया गया था। आज रात बस परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं के साथ उस पेड़ पर कूदे, वो वचन जो पेड़ पर लटका हुआ था।

259 मैं इस पर सवारी कर रहा हूं। मैं इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करने जा रहा हूं। मैं जितना हो सके उतना यहां आकर और अपने भाइयों से हाथ मिलाना चाहता हूं।

260 परमेश्वर आपको आशीष दे, आपके हिम्मत के लिए। मैं चाहता हूं कि आप यहां कुछ क्षण रुके रहे, जब हम प्रार्थना करते हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई। मेरी बहुमूल्य बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। प्रभु यीशु... ? ... परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। "मेरा मार्गदर्शन करें।" नदी के ऊपर आपका मार्गदर्शन करता है।

261 याद रखें, मसीह के एक सेवक के रूप में, मैं वचन को प्रचार करने के लिए जिम्मेदार हूं। मैं अपनी गवाही के लिए जिम्मेदार हूं। और क्या मैं आज रात यहां खड़े होकर...

262 और एक पच्चास वर्ष का, या तिरपन वर्ष का मनुष्य, अप्रैल में चौवन वर्ष का हो जाऊंगा, और यहां पर खड़ा हूं और यह जानता हूं, यहां तक कि यह अंतिम दर्शन, यह धरती पर मेरे अंतिम कुछ दिन हो सकते हैं। मैं—मैं हो सकता है आपको कुछ दिनों में छोड़ दूं। मैं नहीं जानता कि इसका क्या अर्थ है। केवल टेप को सुने और अपना खुद का निष्कर्ष निकाले। मैं नहीं जानता कि इसका क्या अर्थ है। क्या मैं यहां खड़ा होकर, और आधा विश्वास कर रहा हूं कि मैं अब तक प्रचार करते आ रहा हूं यह मेरा अंतिम संदेश हो सकता है, ठीक यहां फिनिक्स में, और कोई तो कहता है यह गलत था, और जानता हूं कि मेरी मंजिल सामने उस ओर रखी है, और मेरा न्याय मेरे शब्दों के द्वारा होगा?

263 मेरे भाइयों, मुझे आपसे यह कहने दो, और मेरी बहनों को। आप जो

सभाओ में रहे हैं। आप जानते हैं क्या, विचारो को परखना और इत्यादि। क्या मैंने प्रभु के नाम में कभी भी आपसे कुछ ऐसा कहा है, सिवाय जो पूरा होना है? मैं किसी से भी पूछूंगा। नहीं, श्रीमान। सारे संसार में, और हजारों दर्शन, ऐसा कभी भी नहीं हुआ है। और मैं आज रात आपको सच बताता हूं, यीशु मसीह का लहू ही इतना काफी है कि यह हर एक दाग को मिटा देता है, और यह करेगा।

वहां लहू से भरा हुआ एक झरना है, (और आप अब इस पर खड़े हैं।)
इम्मेनुएल की नसों से खींचा गया, (यही केवल निश्चित चीज जो धरती पर बची है।)
जहां पापी उस बहाव के नीचे गोता लगाते है,
उनके सारे दोष के दाग मिट जाते है।

264 मैं अब इन सेवकों से और भाइयों से पूछता हूं, क्या आप यहां चलकर इन लोगों के बीच आएंगे। कौन भी हो... क्या इसी तरह से आप सेवको को लोगों के साथ प्रार्थना करने के लिए बुलाते हैं? तब यहां पर सारे सेवक जो आना चाहते हैं, उन प्राणों को बचाया हुआ देखने में रुचि रखते हैं, यहां आकर और एक प्रार्थना के झुण्ड के रूप में खड़े हो जाये, जहां हम खुद को एक साथ जोड़ सकते हैं, हर चीज से दूर हो सकते हैं, और खुद को अलग कर सकते हैं। यह पुरुष और महिलाये है जो आज रात अपने गंतव्य स्थान को मोहरबंद कर रहे है, यीशु मसीह के लहू के द्वारा, उसे उसके वचन पर लेते हुए, सीधे उसकी उपस्थिति में सवारी करते हुए, उसके वचन पर, और कहते हुए, "मैं यहां हूं, प्रभु। मेरे पास देने के लिए कुछ भी नहीं है सिवाय अपने आप को, और मुझे ले लीजिये।" क्या आप उनके साथ खड़े होंगे, यदि आप चाहे तो? कोई भी जो चाहे, आकर और खडा हो जाए। परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाइयों। यह बहुत ही अच्छा है। मैं ऐसे पुरुषों को देखना पसंद करता हूं जो साहसी हैं, जो प्राणों में रुचि रखते हैं। मैं सोचता हूं, मेरे भाइयों, यह ठीक है। ठीक इधर–उधर खड़े हो जाए। यह अच्छा है। आसपास खड़े हो जाये। आइए हम अभी...

265 क्या पियानोवादक संगीत को बजायेगा, यदि बहन चाहे तो, तो आइए इस स्तुती के गीत को गाये, अब मधुरता से, समझदारी से, आदरपूर्वक।

266 हम कुछ तो काल्पनिक चीज पर नहीं आ रहे हैं। हम किसी ऐसी चीज

पर नहीं आ रहे हैं जो बस एक—एक—एक ढोंगी विश्वास हो। लेकिन हम परमेश्वर की उपस्थिति में आ रहे हैं, सर्वसामर्थी यहोवा परमेश्वर की, जिसकी प्रतिज्ञा की गई है, कि, "जहां कहीं भी दो या तीन मेरे नाम में इकट्ठे होते हैं, वहां मैं उनके बीच में होता हूं।" उससे ऐसे बात करें जैसे आप अपने मित्र से करेंगे, "प्रभु, मुझे क्षमा करें। मैंने पाप किया है।" और हम गीत गाने जा रहे हैं।

वहां एक सोता है जो लहू से भरा हुआ है,
इम्मेनुएल की नसों से खींचा गया,
जहां पापी उस बहाव के नीचे गोता लगाते है,
उनके सारे दोष के दाग मिट जाते है।

वह मरता हुआ चोर यह देखकर आनन्दित हुआ
उसके दिनों में उस सोता को;
वहाँ हो सकता है मैं, भले ही वह दुष्ट हो जैसे कि वो,
मेरे सारे पापों को धो दे।

जब से मैंने विश्वास के द्वारा उस धारा को देखा
तेरे बहते हुए घावों ने आपूर्ति की,
छुड़ाने वाला प्रेम मेरा विषय रहा है,
और मेरे मरते दम तक रहेगा।

267 बस अब वास्तव में छोटा बने। आप कुछ भी नहीं है। हम में से कोई भी कुछ भी नहीं है। और अब ईमानदारी से, अपने पूरे ह्रदय के साथ, बस अपने ह्रदयो और सिरो को झुकाये, हर कहीं, वहां इमारत में ऊपर।

268 हमारे स्वर्गीय पिता, मैं जानता हूं कि आपके वचन बिल्कुल सच्चे हैं। वे असफल नहीं हो सकते। वे परमेश्वर के वचन हैं। वे परमेश्वर हैं। और आपने कहा, "वह जो मेरे पास आता है, मैं किसी भी हालत में बाहर नहीं निकालूँगा।" और ये पुरुष और महिलाएं, दृढ़ विश्वास के नीचे, यह जानते हुए कि वे सही नहीं हैं, वे आज रात चलकर आगे आये हैं, प्रभु, यह स्वीकार करने के लिए कि वे गलत हैं, यह जानते हुए कि वे किसी आन्तरिक गति से स्पंदित हुए हैं, जो—जो उन्हें सोते के पास आने के लिए प्रेरित करता है। और यहां वे झुके हुए सिर और ह्रदय के साथ खड़े हैं, ताकि जीवन के जल में से पीये, स्वतंत्र रूप से, जिसकी परमेश्वर के द्वारा प्रतिज्ञा की गई है। उन्हें आपके राज्य में स्वीकार करें, पिता। वे आपके हैं।

269 आपने कहा, "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे पहले ना खींच ले। और वे सब जिन्हें पिता ने मुझे दिया है, मेरे पास आयेगा।" और यह दिखाता है कि परमेश्वर ने इन लोगों को मसीह को दिया है, एक प्रेम के दान के लिए। और यहां वे खड़े हैं, प्रभु। "कोई भी मनुष्य उन्हें मेरे हाथ से नहीं छीन सकता।" और मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आप आज रात उन्हें सुरक्षित करेंगे, जब वे यहां खड़े होते हैं, और उन्हें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देते हैं, जब वे यहां वेदी पर होते हैं।

270 होने पाए मसीह की महान सामर्थ अब उनके जीवन को इस प्रकार से भर दे! उन्होंने अपना अंगीकार किया है। वे आगे आये हैं। आपने कहा, "वह जो मुझे मनुष्यों के सामने स्वीकार करेगा, उसे मैं अपने पिता और पवित्र दूतों के सामने स्वीकार करूंगा।" हम जानते हैं कि वह कार्य पूरा हो चुका है।

271 अब, प्रभु, उन्हें पवित्र आत्मा के प्रतिज्ञा के राज्य में मोहर करें। इसे प्रदान करें, प्रभु। अपने आत्मा को उन पर उंडेल देना, और उन्हें जीवित परमेश्वर की आत्मा से भर देना, ताकि वे अपने जीवन के सारे दिनों में परमेश्वर के राज्य के लिए गवाही बन सके।

272 अब श्रोतागण खड़े हो जाये। अब हर कोई प्रार्थना में है। हम प्रार्थना करने जा रहे हैं कि ये...

273 अब, आप में से हर एक जो आज रात यहां पर आया है, यह महसूस करते हुए कि आपके ह्रदय में पाप था, अब आप विश्वास करने के अलावा कुछ भी नहीं कर सकते हैं। वो पवित्र... आप *इसे* विश्वास के द्वारा स्वीकार करे। यह विश्वास है, जिसे आप स्वीकार करते हैं। यीशु ने कहा, "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे पहले ना खींच ले। और वह सब जो मेरे पास आता है," वह इसे ग्रहण करेगा। वह और कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। देखा? अब एक सनसनी महसूस होने पर विश्राम ना करे। उसके वचन पर विश्राम करें। समझे? वचन ऐसा कहता है।

274 "वह जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास" वर्तमान काल, "अनंत जीवन है, और न्याय के लिए नहीं आएगा, लेकिन मृत्यु से जीवन में पार हो गया है।" पवित्र आत्मा

सेवा के लिए सामर्थ के साथ परिपूर्ण और संपन्न होने का एक अनुभव है। लेकिन अंगीकार करना और मसीह को ग्रहण करना विश्वास का होना है और अपने अंगीकार को करना, और स्वतंत्र महसूस करना कि परमेश्वर ने आपके पापों को क्षमा कर दिया है।

275 और उसके वचन के आधार पर, उसने कहा, "कोई मनुष्य नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे पहले ना खींच ले।" देखा? अब, परमेश्वर ने आपको पहले खींचा। "और वह जो मेरे पास आएगा, मैं किसी भी हालत में उसे बाहर नहीं निकालूंगा।" देखा? समझे? आपने—आपने इसे पा लिया है। केवल एक चीज, आपके पास...

276 वो—वो आपके लिए मरा। आपके पाप उन्नीस सौ वर्ष पहले क्षमा हुए थे। आप तो बस अब इसे स्वीकार करने के लिए आए हैं जो उसने आपके लिए किया है। देखा? और क्या आप विश्वास करते हैं कि वह आपके पापों के लिए मरा? क्या आप उसे अपने प्रायश्चिता के रूप में स्वीकार करेंगे? दूसरे शब्दों में, आप उसे स्वीकार करते हैं, जब उसने आपके पापों को ले लिया।

277 क्या आप आनंदित होंगे और आपके पापों को लेने के लिए उसे धन्यवाद देंगे? आप विश्वास करते हैं कि उसने ऐसा किया? तब केवल अपने हाथ को उठाकर, कहे, "मैं विश्वास करता हूं कि वह मेरे पाप को लेता है," आमीन, "मेरे पाप को लेता है।" तो ठीक है।

278 अब, अब आप पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के लिए एक उम्मीदवार हैं।

279 यदि आपने मसीही बपतिस्मा को नहीं पाया है, इन लोगों में से एक जन यहां यह देखेगा, कि आप मसीही बपतिस्मा ले।

280 लेकिन अब, "जब पतरस इन शब्दों को बोल ही रहा था," इससे पहले कि वे बपतिस्मा लेते, "जब पतरस इन शब्दों को बोल रहा था, पवित्र आत्मा उन पर उतर आया।" क्यों? वे सब अपेक्षा में थे। अब आप अपेक्षा में है। आप अब कुछ तो चाहते हैं जो—जो आपको परमेश्वर के राज्य में मोहर कर दे, कुछ तो जो आपके लिए वास्तविक होगा। आप चाहते है... क्या आप पवित्र आत्मा को पाना नहीं चाहते, आप में से हर एक जन? क्या आप इसे नहीं चाहते हैं? निश्चय ही, आप चाहते हैं। यह आपको बनाये रखने की सामर्थ है। देखा?

वे ऊपरी कमरे में एकत्र हुए थे,

उसके नाम में प्रार्थना करते हुए, ...
पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लिया,
और सेवा के लिए सामर्थ आ गई।

281 देखा? ओह, यही है जो अब आप चाहते हैं। और आप इसे ठीक अभी प्राप्त कर सकते हैं। यह ठीक अभी आपके लिए है।

282 अब, भाइयों, ऊपर चले। आइए, अब हर एक जन, और अपने हाथों को इन भाइयों पर रखें, और प्रार्थना करें कि वे पवित्र आत्मा को ग्रहण करें। सीधा आगे बढे, भाइयों। सीधा आगे बढे।

283 अब, सारी सभा के लोग, अब अपने हाथों को ऊपर उठाये, हर एक जन!... ? ...

284 हमारे स्वर्गीय पिता, प्रभु यीशु मसीह के नाम में, यहाँ हर एक ह्रदय को पवित्र आत्मा के बपतिस्मे से भर दीजिये।

285 पवित्र आत्मा को ग्रहण करें। पवित्र आत्मा को पा ले, ये लोग जो यहां खड़े हैं और परमेश्वर की उपस्थिति और सामर्थ की प्रतीक्षा कर रहे हैं कि उनके जीवन को भर दे।

63-0114 एक तुरही एक अनिश्चित आवाज को देती है
क्रिस्चियन अस्सेम्ब्ली
फोनिक्स, एरिज़ोना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org